अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का मुख पत्र

₹5

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

सामाजिक चेतना एवं जागरुकता के लिये सजग मासिक पत्रिका

(पल्लीवाल, जैसवाल, सैलवाल सम्बन्धित जैन समाज)

अंक 11-12 ✦ प्रकाशन तिथि : 25 मई-जून 2021 ✦ वर्ष 9 ✦ कुल पृष्ठ 52 ✦ मूल्य ₹5

खुद बचें, अपनों को बचाऐं - वैक्सीनेशन करवाऐं।
मास्क पहनकर रहें - कोरोना नियमों का पालन करें।

कोविड-19 लॉकडाउन के कारण मई-2021 (अंक 11) एवं
जून-2021 (अंक 12) की पत्रिका का संयुक्त प्रकाशन किया जा रहा है।

स्व. श्री स्वरूप चन्द जी जैन (मारसन्स)

(19 अगस्त 1927 – 31 अगस्त 2016)

जैन समाज के लिये आपका योगदान एवं समाज को एक सूत्र में बांधे रखने का अन्तिम सन्देश सदैव स्मरणीय रहेगा।

आपका प्रेरणामय जीवन हमारे लिए सदैव पथ प्रदर्शक रहेगा।

MARSON'S
ISO 9001:2000 CERTIFIED COMPANY

समस्त परिवारीजन
स्टाफ एवं कर्मचारीगण

MARSON'S ELECTRICAL INDUSTRIES
(Prop. MEI Power Pvt. Ltd.)
www.marsonselectricals.com • E-mail : info@marsonselectricals.com
1/189, Delhi Gate, Civil Lines, Agra-282002 (India)
Ph : +91-562-2520027, 2850812 • Fax : +91-562-2851306
Works :
Mathura Road, Artoni, Agra - 282007 (India)
Ph : +91-2641448, 2642327-28 • Fax : +91-562-2641435

TRANSFORMERS EXPORTED TO OVER 15 COUNTRIES

सामाजिक चेतना एवं जागरुकता के लिये सजग

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का मुख पत्र

(पल्लीवाल, जैसवाल, सैलवाल सम्बन्धित जैन समाज)

Email : shripalliwaljain.patrika@gmail.com

मूल्य ₹ 5/-

अंक 11-जून ✦ 25 मई-जून 2021 ✦ वर्ष 9

कुल पृष्ठ : 44

पूर्व प्रकाशन मथुरा से, सम्प्रति जयपुर से प्रकाशित

महासभा पदाधिकारी

श्री आर.सी. जैन *(अध्यक्ष)*
(सेवानिवृत्त आई.ए.एस.)
एन-19, आदिनाथ नगर, जे.एल.एन. मार्ग,
जयपुर (राज.)-302018
मोबा. : 9414279070, 9829999335
E-mail : rcjainras@gmail.com

श्री राजीव रतन जैन *(महामंत्री)*
301-ए, सुख सागर अपार्टमेन्ट, 4, जानकी नगर मेन,
इन्दौर (म.प्र.)-452001, मोबा.: 9425110204
E-mail : jainrajeevratan@gmail.com

श्री अजीत जैन *(अर्थमंत्री)*
1द39, काला कुंआ हा.बोर्ड, अलवर (राज.)-301002
फोन : 0144-2360115, मोबा.: 9413272178
E-mail : akjain2021@yahoo.in

पत्रिका प्रबन्ध एवं सम्पादक मण्डल

डॉ. अनुपम जैन *(परामर्शदाता)*
'ज्ञानछाया', डी-14, सुदामानगर, इन्दौर-452009
फोन : 0731-2797790, मोबा.: 9425053822
E-mail : anupamjain3@rediffmail.com

श्री चन्द्रशेखर जैन *(संयोजक)*
86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क
आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018
फोन : 0141-2553272, मोबा.: 9829134926
E-mail : csjain30@yahoo.co.in

श्री प्रकाश चन्द जैन *(सम्पादक)*
78, बैंक कॉलोनी, महेश नगर विस्तार ''बी''
गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302015
मोबा.: 9828374013
E-mail : pcjain49@gmail.com

श्री पारस जैन गहनौली *(सह-सम्पादक)*
बी-204बी, 10-बी स्कीम, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर-302018, मोबा.: 9928715869

श्री महेश चन्द जैन *(अर्थ संयोजक)*
36-सी, कृष्णा विहार विस्तार, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर-302015, मोबा.: 9828288830
E-mail : 3466mahesh@gmail.com

संयोजक की कलम से....

कोरोना महामारी ने देश को अपने आगोश में ले लिया है और अप्रैल और मई माह में यह अपने चरम पर पहुंच गया, परिणाम स्वरूप सारा राष्ट्र एवं समाज अस्तव्यस्त हो गया, सरकार भी लाचारों की भांति इधर-उधर देखती रही। चारों ओर ऑक्सीजन एवं वेन्टीलेटरों की आवश्यकता ने व्यक्ति को सम्पूर्ण रूप से हिला दिया, जिस भी परिवार में इस संक्रमण ने प्रवेश किया वह परिवार आर्थिक, मानसिक एवं व्यक्ति के खोने के डर से सहमा रहा। चारों ओर सन्नाटा छाने लगा। व्यक्ति-व्यक्ति, परिवार-परिवार के सदस्यों से डरने लगा, लोग एकत्व भाव में मानसिक संतुलन खोने लगे और परिणाम स्वरूप महामारी ने कई परिवारों के व्यक्तियों को अपने आगोश में ले लिया। इस महामारी में जिस व्यक्ति ने शुरूआत के समय लापरवाही बरती वह ही व्यक्ति एवं परिवार इसके चपेट में आ गये और बहुत से लोगों ने अपने परिवार के सदस्यों को खोया और बहुत से परिवार इससे खत्म हो गये। कहीं पर परिवार का मुखिया गया तो कहीं पर परिवार के आय का आधार स्वयं इस काल का ग्रास बन गया। बहुत से बच्चों ने अपने माता-पिता को खोया और वे अनाथ हो गये।

यह सब होता चला गया व्यक्ति फिर भी कहीं खोया रहा वह सोच नहीं पा रहा है कि वह क्या करें? ऐसे में समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति का दायित्व उसको पुकार रहा है कि वह आगे आये और जितना भी बन सके उतना सहयोग सामाजिक बन्धुओं के लिए करे।

अब बात आती है पल्लीवाल समाज की तो आपने पाया होगा की समाज की सर्वोच्च संस्था एवं उसकी शाखाओं ने अभी तक कोई भी ऐसी योजना अथवा सहयोग की पहल समाज के पीड़ित परिवारों के लिए प्रस्तावित नहीं की। सभी बन्धु न जाने किसका इन्तजार कर रहे हैं। ऐसे समय में व्यापक स्तर पर सहयोगात्मक कार्य करने की आवश्यकता है, जिसमें पीड़ित परिवारों की जानकारी प्राप्त करना, आर्थिक सहयोग के साथ-साथ स्थाई रोजगार की व्यवस्था करना एवं महामारी ने जो पीड़ा उस परिवार को दी है उनको सहानुभूति प्रदान कर मुख्य धारा से पुनः जोड़ना आवश्यक है।

मैं अंत में यही कहना चाहूंगा कि अभी इस महामारी का असर खत्म नहीं हुआ है, अतः सभी सामाजिक बन्धु अपने-अपने परिवार को और फिर समाज को आने वाले समय के लिए तैयार रखें। समाज के डॉक्टर वर्ग का बहुत योगदान इन कार्यों में हो सकता है और उनके सहयोग से सामाजिक स्थानों को भविष्य की कोरोना महामारी की लहर हेतु तैयार करें। मुझे आशा है, आप सभी सामाजिक बन्धु इस पर विचार करेंगे। भगवान महावीर सभी की रक्षा करें।

-चन्द्रशेखर जैन

पत्रिका में प्रकाशित लेख एवं विचारों से सम्पादक मण्डल का सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह लेखकों के निजी विचार माने जाने चाहिये।

शोक संवेदना

स्व. श्री ज्ञान चन्द जी कोटिया
(पुत्र स्व. श्री चेतन प्रकाश जी जैन)
(9.10.1931 - 22.04.2021)

स्व. श्री मलूक चन्द जी जैन
(27.11.1929 - 29.04.2021)

स्व. श्रीमती पुष्पा जी कोटिया
(धर्मपत्नी स्व. श्री ज्ञानचंद जी कोटिया)
(17.08.1941 - 17.05.2021)

जैन समाज
के लिये
आपके योगदान
एवं
समाज को
एक सूत्र में
बांधे रखने के
प्रयास सदैव
स्मरणीय रहेंगे

MARSONS
setting power in motion

आपका प्रेरणामय जीवन समाज के लिए सदैव पथ प्रदर्शक रहेगा

आपके परिवारजनों द्वारा श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका को दिया जा रहा सहयोग सदैव स्मरणीय रहेगा

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा एवं श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका परिवार आपको विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कामना करती है कि भगवान आपकी आत्मा को चिर् शांति प्रदान कर अपने चरणों में स्थान देवें।

जैन जीवन शैली और विश्व शांति

विश्व में शान्ति स्थापित हो, ऐसा हम सब ही चाहते हैं, किन्तु आज विश्व के अनेकों देशों में अंशाति है। पूर्व में हम दोनों विश्व युद्धों, अरब–इजराइल, इराक–ईरान, भारत–चीन, भारत–पाकिस्तान के युद्धों के गंभीर परिणाम देख चुके हैं। उसके बावजूद आज अनेक देश अणु, परमाणु बम, विनाशकारी आयुधों, रॉकेट, मिसाइल के उपयोग के लिये तैयार खड़े हैं, जिससे सम्पूर्ण मानव जाति का विनाश भी सम्भव है। अलकायदा और आईएसआईएस जैसे उग्रवादी, आतंकी संगठनों द्वारा अनेक देशों में आतंकवाद फैला रखा है जिसके दुष्परिणाम हम देख चुके हैं।

मनुष्य आज धन, दौलत प्राप्ति के लिये अवैध तरीके अपनाकर परिग्रही, अनैतिक होता जा रहा है। अवैध तरीके से कमाये गये धन संचय की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है, मनुष्य में प्रेम भाव का अभाव होता जा रहा है। मनुष्य से मनुष्य के प्रति नफरत की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। अनेकों बुराईयों की ओर मानव बढ़ता जा रहा है। यही सब कारण विश्व अशांति के हैं।

विश्व अशांति के उपरोक्त सम्पूर्ण कारण होते हुए भी आज मानव शांति की तलाश में भटक रहा है। विश्व में शांति कायम करने, व्यापक रूप से फैले हुए आतंकवाद को समाप्त करने, मानव मात्र को सुख, शांति, भाई चारे, प्रेम–भाव स्थापित करने में जैन धर्म के सिद्धान्त, जैन जीवन शैली बहुत सहायक हो सकती है। जैन धर्म के पालन हेतु जाति, सम्प्रदाय, देश आदि का प्रतिबन्ध नहीं है। जैन धर्म वैज्ञानिक धर्म है। जैन धर्म के सिद्धान्तों से विश्व की अनेकों बड़ी समस्याओं का अन्त हो सकता है। मेरी अपनी यह मान्यता है, और मेरी ही क्या सभी जैन धर्म के अनुयायियों की यह धारणा है कि यदि जैन धर्म के सिद्धान्तों की पालना, जैन जीवन शैली से रहना सभी देशों में रहने वाले व्यक्तियों द्वारा अपनाया जावे तो हमारे देश भारत वर्ष में ही नहीं अपितु सम्पूर्ण विश्व में अनेकों मुख्य समस्याओं का अन्त हो जावेगा। विचारों में अहिंसा, चिन्तन में अनेकान्त, वाणी में स्याद्वाद व समाज में अपरिग्रह वाद के द्वारा लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

जैन धर्म के मुख्य सिद्धान्त में से निम्न तीन सिद्धान्तों की विवेचना की जा रही है–

1. अहिंसा, 2. अपरिग्रह, 3. अनेकान्तवाद

एक–एक सिद्धान्त की विस्तृत विवेचना से स्पष्ट है कि उनकी पालना करने से स्वतः ही विश्व में फैली हुई अशांति, विश्व शांति में परिवर्तित हो सकती है।

1. अहिंसा– जैन धर्म में अहिंसा का सिद्धान्त सर्वोपरि है। मनुष्य ही नहीं बल्कि प्राणी मात्र की हिंसा को भी जैन धर्म में महापाप की संज्ञा दी गई है। किसी प्राणी की हिंसा के बारे में सोचना भी हिंसा मानी गई है। वास्तविक हिंसा ही नहीं अपितु हिंसात्मक विचारों के मन में आने को भी जैनधर्म में हिंसा माना है। 'जियो और जीने दो' के सिद्धान्त को जैन धर्म में प्रमुखता दी गई है। विश्व में आज मानव–मानव का दुश्मन हो रहा है। मानव वध, हत्याऐं, पशुवध, मनुष्य के प्रति अन्य जघन्य अपराध बढ़ते जा रहे हैं। अनेकों जगह पर आतंकवाद चरम सीमा पर है जिसमें आये दिन निरअपराध बच्चों, स्त्रियों, पुरूषों की जघन्य तरीकों से वध किया जा रहा है। जिससे हमारा देश भरतवर्ष भी अछूता नहीं रहा है। बड़ा ही दुःख होता है, जब यह सोचते हैं कि ऋषि, मुनियों, धर्म में पूर्ण आस्था रखने वाले देश में भी यह सब कुछ हो रहा है, यह सब क्यों हो रहा है? यह सब कैसे समाप्त होगा? इस पर हम सभी को विचार करना होगा। इन सबकी समाप्ति का सब से अच्छा तरीका है, अहिंसा के महाव्रत का हम सब कठोरता से पालन करें। सम्पूर्ण जानव जाति अहिंसा के सिद्धान्त को ग्रहण करें तो अनेक देशों की आपसी दुश्मनी, तथा आतंकवाद की समाप्ति हो सकेगी।

2.अपरिग्रह– जैन धर्म में अपरिग्रह का महत्व है। आवश्यकतानुसार धन संग्रह अपरिग्रह का अर्थ है, मनुष्य को उतना ही धन संचय करना चाहिये जितना उसके जीवनयापन के लिए आवश्यक हो। किन्तु हमने आवश्यकताओं को व्यापक बना रखा है। यह तो हो सकता है कि प्रत्येक व्यक्ति की आवश्यकताएँ अलग–अलग हो सकती है। किन्तु जैन धर्म यह कहता है कि संयमी एवं सादा जीवन के लिए जो आवश्यकताएँ जैसे मकान, बच्चों के लिए अच्छी एवं उच्च शिक्षा दिलाने के लिए, अच्छा सादगी पूर्ण खाना–पीना, दान–पुण्य आदि के लिए सद्उद्यम से कमाकर धन प्राप्त करना चाहिये। संसार का यदि प्रत्येक मनुष्य इसी प्रकार धन कमाये और जीवन यापन करें तो आज जो धन प्राप्ति की लालसा पैदा हो गई है वह समाप्त हो

सकती है। आज अवैध साधनों एवं तरीकों से विश्व और हमारे देश में धन प्राप्त करने की होड़ मनुष्य में लगी हुई है। हम सब जानते हैं, हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार पनप रहा है। चाहे सरकारी कार्यालय हो, न्यायालय हो, औद्योगिक क्षेत्र हो, चाहे बैंक हों, यहां तक की राजनीति क्षेत्र में भी भ्रष्टाचार की जड़े गहरी हो चुकी हैं। ये सब क्यों हो रहा है? इसका एक ही कारण है। आज प्रत्येक व्यक्ति ज्यादा से ज्यादा धन कमाकर धनाढ्य बनना चाहता है। चाहे धन कमाने का, साधन, तरीका कैसा भी हो। मनुष्य को मानसिक संतुष्टि बिल्कुल भी नहीं है। सभी की आज आवश्यकताएँ बढ़ती जा रही है। प्रतिस्पर्धा पनप रही है। दूसरे के पास बंगला, फार्म हाउस, कार, सुख सुविधा के सभी आधुनिक साधन हैं तो मेरे पास भी यह सभी होना चाहिये। हम अपने से कम स्तर वाले व्यक्ति की ओर नहीं देखते। उसको देखकर अगर हम संतुष्ट हो जाये तो हमें मानसिक संतुष्टि मिल सकती है।

मैं यह कहने में बिल्कुल भी संकोच नहीं करूंगा कि आज जैन धर्म के मतावलम्बियों में परिग्रह की प्रवृत्ति ज्यादा पनपती जा रही है। हम जैन धर्म को मानने वाले भी अपरिग्रह की ज्यादा अवहेलना कर रहे हैं, जो हमारे लिये अच्छी बात नहीं है। अगर अपरिग्रह के सिद्धान्त की कठोरता से पालना की जावे तो आर्थिक अपराध, भ्रष्टाचार, धन प्राप्ति के अवैध व्यापार स्वतः ही समाप्त हो सकेंगे।

3.अनेकान्तवाद– एक दूसरे के धर्म को आदरपूर्वक समझने की भावना दूर होती जा रही है। अलग–अलग धर्मों की बात तो दूर, एक ही धर्मों और परम्पराओं को मानने वाले आपस में द्वेष व वैमनस्य रखते हैं। अनेकान्तवाद की जगह अपना ही वाद सर्वोच्च है, के सिद्धान्त ने स्थान ले लिया है। समाज में विघटन, तनाव व वैर–भाव बढ़ रहे है। धर्म, सम्प्रदाय, जाति व मजहब के नाम पर गली मोहल्लों में हमेशा साथ रहने वाले, एक दूसरे के दुःख दर्द में काम आने वा पड़ोसियों द्वारा पड़ोसी की हत्या तक की जा रही है। ऋषि मुनियों के देश भारत में यह सब देखकर बड़ा ही दुःख होता है। अगर अनेकान्तवाद के सिद्धान्त की पालना की जावे तो इस प्रकार की हिंसा, झगड़े, आदि स्वतः ही समाप्त हो सकते है। इस प्रकार जैन धर्म के उपरोक्त सिद्धान्तों, जैन जीवन शैली की कठोरता से पालना की जावे तो भारत व विश्व में शान्ति स्थापित हो सकेगी और जैन धर्म के सिद्धान्त विश्व शांति में सहायक हो सकेगें।

–श्रीचन्द जैन, *सहायक निदेशक अभियोजन (रिटा.)*
(पूर्व राष्ट्रीय महामन्त्री–अ.भा. पल्लीवाल जैन महासभा)
110, अशोक विहार विस्तार गोपालपुरा बाईपास, जयपुर

प्रणाम क्रोध मिटाता है

महाभारत का युद्ध चल रहा था। एक दिन दर्योधन के व्यंग्य से आहत होकर भीष्म पितामह घोषणा कर देते हैं कि 'मैं कल पांडवों का वध कर दूंगा'। उनकी घोषणा का पता चलते ही पांडवों के शिविर में बेचैनी बढ़ गई। भीष्म की क्षमताओं के बारे में सभी को पता था। इसलिए सभी किसी अनिष्ट की आशंका से परेशान हो गए। तब श्रीकृष्ण ने द्रौपदी से कहा– 'अभी मेरे साथ चलो'। श्रीकृष्ण द्रौपदी को लेकर सीधे भीष्म पितामह के शिविर में पहुँच गए। शिविर के बाहर खड़े होकर उन्होंने द्रौपदी से कहा कि अन्दर जाकर पितामह को प्रणाम करो। द्रौपदी ने अन्दर जाकर पितामह भीष्म को प्रणाम किया तो उन्होंने 'अखंड सौभाग्यवती भवः' का आशीर्वाद दे दिया। फिर उन्होंने द्रौपदी से पूछा। वत्स, तुम इतनी रात में अकेली यहाँ कैसे आई हो, क्या तुमको श्रीकृष्ण यहाँ लेकर आये हैं? तब द्रौपदी ने कहा– 'हाँ और वे कक्ष के बाहर खड़े हैं।' तब भीष्म भी कक्ष के बाहर आ गए और दोनों ने एक–दूसरे को प्रणाम किया।

भीष्म ने कहा– 'मेरे एक वचन को मेरे ही दूसरे वचन से काट देने का काम श्रीकृष्ण ही कर सकते हैं।' शिविर से वापस लौटते समय श्रीकृष्ण ने द्रौपदी से कहा– 'तुम्हारे एक बार जाकर पितामह को प्रणाम करने से तुम्हारे पतियों को जीवनदान मिल गया है। अगर तुम प्रतिदिन भीष्म, धृतराष्ट्र, द्रोणाचार्य आदि को प्रणाम करती होती और दुर्योधन, दुःशासन, आदि की पत्नियाँ भी पाण्डवों को प्रणाम करती होती तो शायद इस युद्ध की नौबत ही न आती।'

इसका तात्पर्य यह है कि वर्तमान में हमारे घरों में जो इतनी समस्याएँ हैं उनका भी मूल कारण यही है कि 'जाने–अनजाने में अकसर घर के बड़ों की उपेक्षा हो जाती है। यदि घर के बच्चे और बहुएँ प्रतिदिन घर के सभी बड़ों को प्रणाम कर उनका आशीर्वाद लें तो शायद किसी भी घर में कभी भी कोई क्लेश न हो। बड़ों के दिए आशीर्वाद कवच की तरह काम करते हैं। उनको कोई अस्त्र–शस्त्र नहीं भेद सकता।

निवेदन– प्रणाम हमारी संस्कृति है। सभी इस संस्कृति को सुनिश्चित कर नियमबद्ध करें तो घर स्वर्ग बन जाये।

क्योंकि– प्रणाम प्रेम है। प्रणाम अनुशासन है। प्रणाम शीतलता है। प्रणाम आदर सिखाता है। प्रणाम से सुविचार आते हैं। प्रणाम झुकना सिखाता है। प्रणाम क्रोध मिटाता है। प्रणाम आँसू धो देता है। प्रणाम अहंकार मिटाता है।

–भागचंद जैन
2/205, तुलेरा हाउसिंग बोर्ड, अलवर

शाखा समाचार

शाखा ग्वालियर

गौशाला पशु आहार दान

तीर्थंकर श्री महावीर के जन्मकल्याणक पर्व के उपलक्ष्य में ग्वालियर शाखा द्वारा गोले का मंदिर स्थित गौशाला में पशु आहार दान (2 क्विंटल हरा चारा) दिया गया। दोपहर 1 बजे से राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य श्री विवेक जैन तथा ग्वालियर शाखा के गणमान्य सदस्य एक साथ गौशाला पहुंचे। सभी ने मिलकर गौशाला के प्रबंधन समिति से वहाँ मौजूद व्यवस्थाओं की जानकारी ली। फिर स्वयं सभी ने अपने हाथों से वहां उपस्तिथ गायों को चारा खिलाया एवं पानी पिलाया। उसके बाद अहिंसा परमो धरम तथा भगवान महावीर के

जयघोष के साथ गौशाला के अंदर ही सांकेतिक रैली (चल यात्रा) निकाली। इस मौके पर ग्वालियर शाखा के श्री कमल जैन (काके), श्री गौरव जैन, श्री संजय जैन, श्री रवि जैन, श्री अविनाश जैन, श्री अखिल जैन, श्री दीपक जैन, श्री अंकित जैन उपस्थित थे। इस पुनीत कार्य में सहयोगी रहे सभी महानुभावों का शाखा बहुत आभार व्यक्त करती है।

मासिक णमोकार पाठ 18 अप्रैल को जूम से संपन्न हुआ

वो कहते हैं ना "The show must go on" चाहे कितनी भी परेशानी आए परन्तु परम्पराएँ रुकनी नहीं चाहिए। इसी का उदाहरण ग्वालियर शाखा के सभी लोगों में देखने को मिला। कोरोनाकाल में लॉकडाउन जैसी परिस्तिथि में भी समाज के परिवारों द्वारा सामूहिक रूप से मासिक णमोकार पाठ का आयोजन ऑनलाइन जूम एप्प के माध्यम से संपन्न हुआ। 18 अप्रैल को शाम 8 बजे से 1 घंटे के इस आयोजन में सभी ने बहुत हर्षोल्लास - भक्तिमय णमोकार का पाठ किया। श्री कमल जैन (काके) परिवार द्वारा भजन भी गाया गया। अंत में श्री यतीन्द्र जी एवं राजकुमार जी ने सभी का आभार व्यक्त किया। सामूहिक णमोकार महामंत्र पाठ मे ऑनलाइन जुड़कर सभी सम्मानीय परिवारों का बहुत-बहुत धन्यवाद ।

विधवा सहायता

★ **श्रीमती विमला जी जैन एवं श्री पदम चन्द जी जैन** (खेरली वाले), अर्जुन नगर, महेश नगर, जयपुर ने अपनी वैवाहिक वर्षगांठ पर विधवा सहायता हेतु रु. 6,000/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 4979)*

★ **श्री रमेश चन्द जी जैन** एवं श्री पंकज जी जैन, 12-रेलवे रोड, पालम कॉलोनी, नई दिल्ली-110077 ने विधवा सहायता हेतु रु. 5,000/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 4969)*

★ **श्री द्वारका प्रसाद जी जैन एवं श्रीमती स्नेहलता जी जैन,** 5/148, सोंठ की मण्डी, आगरा ने अपने विवाह की 50वीं वर्षगांठ (दि. 28 फरवरी) के उपलक्ष्य में विधवा सहायता हेतु रु. 500/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 4972)*

★ **श्री रमेश चन्द जी जैन** एवं श्री पंकज जी जैन, 12-रेलवे रोड, पालम कॉलोनी, नई दिल्ली-110077 ने विधवा सहायता हेतु रु. 6,000/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 4973)*

★ **श्री रमेश चन्द जी जैन** एवं श्री पंकज जी जैन, 12-रेलवे रोड, पालम कॉलोनी, नई दिल्ली-110077 ने विधवा सहायता हेतु रु. 5,000/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 4974)*

★ **श्री राहुल जी जैन** पुत्र श्री जनेश्वर दास जी जैन, 5174, बसंत रोड, पहाड़गंज, नई दिल्ली ने अपनी पूजनीय माताजी स्व. श्रीमती चन्द्ररेखा जी जैन धर्मपत्नी श्री जनेश्वर दास जी जैन की पुण्य स्मृति में विधवा सहायता हेतु रु. 1,100/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 4975)*

★ **श्री तन्मय कुमार जी जैन**, 69, स्कीम नं. 8 विस्तार, अलवर ने अपने पूजनीय पिताजी स्व. श्री महेश चन्द जी जैन पुत्र श्री प्रकाश चन्द जी जैन (परवैणी वाले) की पुण्य स्मृति में विधवा सहायता हेतु रु. 500/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 4976)*

★ **श्री महेन्द्र कुमार जी जैन** पुत्र स्व. श्री मदन लाल जी जैन (संगठन मंत्री, अ.भा.प. जैन महासभा) 39, रेलवे हाउसिंग सोसायटी, माला रोड, कोटा जंक्शन ने विधवा सहायता हेतु रु. 12,000/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 4977)*

★ **श्री अखलेश जी कोटिया,** कलकत्ता ने अपने पूज्य पिताजी स्व. श्री ज्ञानचन्द जी कोटिया एवं पूज्य माताजी स्व. श्रीमती पुष्पा जी कोटिया की पुण्य स्मृति में विधवा सहायता हेतु रु. 24,000/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 4981)*

★ **श्री राजेन्द्र जी जैन एवं रविन्द्र जी जैन,** 46-एसबीबीजे ऑफिसर्स कॉलोनी, मानसरोवर, जयपुर ने अपनी पूज्य माताजी स्व. श्रीमती प्रेमवती जी जैन के देवलोकगमन पर उनकी पुण्य स्मृति में विधवा सहायता हेतु रु. 6,000/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 4989)*

★ **श्री शिखर चन्द प्रकाश चन्द जी जैन,** 88 चेतन कॉलोनी, अलवर ने अपनी पूज्य माताजी स्व. श्रीमती चन्द्रकला जी जैन धर्मपत्नी स्व. श्री चतुर्भुज जी जैन की पुण्य स्मृति (दि. 19.05.2021) में विधवा सहायता हेतु रु. 6,000/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 4982)*

★ **श्री रमेश चन्द जी जैन** एवं श्री पंकज जी जैन, 12-रेलवे रोड, पालम कॉलोनी, नई दिल्ली-110077 ने विधवा सहायता हेतु रु. 6,000/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 4984)*

★ **श्री रमेश चन्द जी जैन** एवं श्री पंकज जी जैन, 12-रेलवे रोड, पालम कॉलोनी, नई दिल्ली-110077 ने विधवा सहायता हेतु रु. 5,000/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 4985)*

पत्रिका सदस्यता

3119. Sh. Santosh Kumar Ji Jain, Plot No. 6, Kailashpuri, Kanta Chauraha, Jhotwara Kalwar Road, Near Shine Pan Bhandar Wali Gali, Jhotwara, Jaipur-302012, Mob.: 6375727021 *(CR D-2553)*

3120. Sh. Anil Kumar Ji Jain, Sarvottam Complex, Behind Vaishali Apartment, Manuwa Kheda Road, Heeranmagri, Sector 4, Udaipur-313002, Mob.: 9462191766 *(CR D-2556)*

3121. Sh. Yatendra Kumar Ji Jain, House No. 1, Parasnath Colony, Near Asopa Hospital, Gailana Road, Post Sikandra, Dist. Agra-282007, Mob.: 9719017289 *(CR D-2557)*

महासभा सहायता

★ **श्रीमती त्रिशला जी जैन** धर्मपत्नी स्व. श्री फतेहचन्द जी जैन (दयाचन्द जैन) (हरसाना वाले), 5/52, एनईबी हाउसिंग बोर्ड, अलवर ने अपने सुपुत्र चि. राहुल जैन संग सौ.कां. जया जैन सुपुत्री श्रीमती माया जैन एवं श्री जगदीश प्रसाद जैन (नांगल सहाड़ी) के शुभ विवाहोपलक्ष पर महासभा सहायता हेतु रु. 500/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 4978)*

★ **श्रीमती शोभा देवी जी जैन** ने अपने पति एवं **श्री वीरेन्द्र कुमार जी जैन व अनिल कुमार जी जैन** निवासी 2क28 हिरणमगरी, सेक्टर 5, उदयपुर ने अपने पूज्य पिताजी श्री विमल चन्द्र पल्लीवाल (जैन) के दिनांक 27.4.2021 को देवलोक गमन पर उनकी स्मृति में महासभा सहायता हेतु रु. 1,001/- सप्रेम भेंट किये। *(र.स. 4911)*

★ **श्री राजेन्द्र जी जैन एवं रविन्द्र जी जैन,** 46-एसबीबीजे ऑफिसर्स कॉलोनी, मानसरोवर, जयपुर ने अपनी पूज्य माताजी स्व. श्रीमती प्रेमवती जी जैन के देवलोक गमन पर उनकी पुण्य स्मृति में महासभा सहायता हेतु रु. 1100/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 4990)*

★ **श्रीमती सन्तोष जी जैन,** गोविन्द नगर, आमेर रोड, जयपुर ने अपने पति श्री भुवनेश कुमार जी जैन पुत्र स्व. श्री सुमेर चन्द्र जी जैन के दिनांक 16.05.2021 को देवलोक गमन पर उनकी पुण्य स्मृति में महासभा सहायता हेतु रु. 1100/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 4912)*

★ **श्री आकाश कुमार विकास कुमार जी जैन,** नौगावां, अलवर ने अपने पूज्य पिताजी स्व. श्री पदम चन्द जी जैन की पुण्य स्मृति में महासभा सहायता हेतु रु. 1101/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 4980)*

★ **श्री शिखर चन्द प्रकाश चन्द जी जैन,** 88 चेतन कॉलोनी, अलवर ने अपनी पूज्य माताजी स्व. श्रीमती चन्द्रकला जी जैन धर्मपत्नी स्व. श्री चतुर्भुज जी जैन की पुण्य स्मृति (दि. 19.05.2021) में महासभा सहायता हेतु रु. 1100/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 4983)*

★ **श्री दीपक कुमार जी जैन, राकेश कुमार जी जैन,** नौगावां ने अपनी पूज्य माताजी स्व. श्रीमती शान्ती देवी जी जैन धर्मपत्नी स्व. श्री प्रकाश चन्द जी जैन की पुण्य स्मृति में महासभा सहायता हेतु रु. 500/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 4986)*

★ **श्री प्रकाश चन्द जी अशोक कुमार जैन,** मण्डावर ने स्व. श्रीमती माया देवी जी जैन धर्मपत्नी श्री प्रकाश चन्द जी जैन की पुण्य स्मृति (दि. 28.05.2021) में महासभा सहायता हेतु रु. 1100/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 4988)*

पल्लीवाल जैन परिवार के बच्चों की पढ़ाई के लिए आर्थिक सहयोग

कोरोना महामारी के चलते कोई अपना रोजगार गवां चुके तो कोई अपने परिवार के सदस्य को खो चुके हैं। ऐसे में हम सब प्रभु की लीला के आगे नतमस्तक हैं, इस महामारी के चलते समाज में कई परिवारों की आर्थिक स्थिति काफी कमजोर होती चली गई है।

पल्लीवाल जैन समाज की सर्वोच्च संस्था श्री अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा, शाखा अलवर अपने समाज के सम्मानीय दानदाता भामाशाहों के सहयोग से बच्चों की पढ़ाई के लिए आर्थिक सहयोग कर रहे हैं। इस विकट परिस्थितियों में संस्था का एक ही उद्देश्य है कि हमारे अपने सदस्यों की हर सम्भव सहायता करना। समाज के सम्मानीय परिवार जो इस महामारी के कारण आर्थिक रूप से कमजोर हो चुके हैं वे अपने बच्चों की स्कूल फीस देने व किताबों को ख़रीदने में अब संकोच ना करें, क्योकि आपकी ये संस्था हमेशा आपके साथ है और साथ रहेगी। इसके लिए सत्र 2021–22 के छात्रों के परिजन या स्वयं बच्चे अपनी स्कूल फीस की रसीद व बुक्स की डिटेल हमें उपलब्ध करा देवें, जिससे कि आपकी फीस व बुक्स उपलब्ध करा सकें, संस्था का एक ही उद्देश्य है कि अपने आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के बच्चों की पढ़ाई में किसी तरह का व्यवधान नहीं हो तथा अपनी पढ़ाई को हंसी–खुशी से निरंतर करता रहे। ऐसी हम भावना भाते हैं।

डिटेल जमा कराने का स्थान :–

श्री राज राजेन्द्र गृह आपूर्ति केंद्र

जैन मंदिर के पास, शिवाजी पार्क (प्रचार मंत्री सतीश जैन)

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें :–

9414331134

बच्चों की पढ़ाई हेतु सहायतार्थ जो भी सम्मानीय भामाशाह सहयोग करना चाहें, वे संस्था के A/C 00130001006674 04, IFS Code PUNB0297500 में सहयोग राशि प्रदान कर सकते हैं।

वी.के. जैन	**राकेश जैन**	**कुलदीप जैन**
अध्यक्ष	*व.उपाध्यक्ष*	*व.उपाध्यक्ष*
नरेंद्र जैन	**रूपेश जैन**	**घनश्याम जैन**
मंत्री	*अर्थमंत्री*	*भवन संयोजक*

एवं समस्त मयकार्यकारिणी

श्री अ.भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा, शाखा अलवर

परिचय :- श्रवणी आर्यिका विध्वांत श्री माताजी
-: लौकिक यात्रा :-

पूर्व का नाम - कुमारी रेणु जैन
पिता - श्री पदम चन्द जैन
माता - श्रीमती राजुल जैन
जन्म स्थान - 4-एच-5, दादाबाड़ी विस्तार योजना, कोटा (राजस्थान)
जन्म दिनांक - 16 जून 1983
शिक्षा - एम.ए., पी.जी.डी.सी.ए., एम.एस.सी., (कम्प्यूटर साइंस)
भ्राता - दो (अग्रज- अजीत जैन, अनुज- सुमित जैन)
भाभी - दो (श्रीमती लक्ष्मी जैन एवं श्रीमती अंजु जैन)
बहन - एक (बड़ी ज्योति जैन)
विवाह - बाल ब्रह्मचारणी
समाज सेवा - श्री जैन पाठशाला, नसियाँ जी कोटा में बच्चों को अध्यापनकार्य, साधु एवं आर्यिकाओं के चौके में अहारचार्य सम्पन्न करना आदि।
रूचि - अध्ययन, धार्मिक तीर्थ स्थलों की यात्रा, वंदना करना, उपवास करना (वर्ष 2007 में सोलहकारण जी के 16 उपवास तथा वर्ष 2008 में पंच मैरूजी के 5 उपवास की साधना की भक्ति-नृत्य आदि)

परमार्थ यात्रा-

कुमारी रेणु जैन बहुत ही मेधावी बालिका थीं। बचपन से ही धर्म में बहुत आस्था रखती थीं। बाल्यकाल में ही श्री जैन पाठशाला नसियाँजी दादाबाड़ी कोटा में जाना शुरू कर दिया। श्री जैन पाठशाला में ब्र. अर्चना दीदी व मंजू दीदी का सानिध्य मिला तथा धार्मिक मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित हुई। नसियाँ जी जैन मंदिर कोटा में अनेक साधु संत/आर्यिका माताओं के चर्तुमास में धार्मिक आयोजनों में बढ़-चढ़ कर भाग लेना, शिविरों में भाग लेना, अहार चरिया में भाग लेना बहुत ही रूचि रही है।

त्याग के संस्कार-

बचपन से ही श्री जैन पाठशाला के संस्कारों से रात्रि भोजन का त्याग लिया। गणिनी आर्यिका पूर्वमती माताजी के वर्ष 2004 में चर्तुमास के दौरान दसलक्षण पर्व में शिविर में भाग लिया तथा अभक्ष्य वस्तुओं का आजीवन त्याग किया।

ब्रह्मचार्य व्रत-

श्री नसियाँजी जैन मंदिर, दादाबाड़ी कोटा में आचार्य विमर्श सागर जी महाराज वर्षा योग 2006 में आजीवन ब्रह्मचार्य व्रत ग्रहण किया। अक्टूबर वर्ष 2008 में गृह त्याग का आचार्य विमर्श सागर जी महाराज के आगरा चर्तुमास में उनके संघ में शामिल होकर तप त्याग तपस्या एवं जीवन के कल्याण मार्ग की ओर चल पड़ी।

आर्यिका दीक्षा-

दिनांक 06 नवम्बर 2014 को जैन मंदिर वड़ौत जिला वागपत (उत्तर प्रदेश) में आचार्य विमर्श सागर जी महाराज से आर्यिका दीक्षा ग्रहण की आर्यिका विध्वांत श्री नाम पाया तक अपना जीवन धन्य किया। आचार्य 108 श्री विमर्श सागर जी महाराज के संघस्थ रहकर विभिन्न नगरों में एवं वर्ष 2021 में बाराबंकी (उ.प्रदेश) में चतुर्मास कर धर्म प्रभावना कर रही हैं।

-पदम चन्द जैन
4-एच-5, दादाबाड़ी विस्तार योजना, कोटा

पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति
सी-22, दांतिया हाऊस, इन्द्रपुरी, लालकोठी, जयपुर, फोन: 0141-2742467

सूचना

पल्लीवाल जैन छात्रावास, जगतपुरा, जयपुर में प्रवेश लेने के इच्छुक छात्रों से आवेदन आमंत्रित हैं। वे छात्र जो सीनियर सैकण्डरी परीक्षा पास कर चुके हैं तथा जयुर में स्थित किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान में अध्ययन करना चाहते हैं वे छात्रावास में प्रवेश के पात्र हैं।

फिलहाल केवल पल्लीवाल जैन छात्रों को प्रवेश देना सम्भव होगा। छात्रावास का नया भवन निर्माणाधीन है, पूर्ण होने पर किसी भी जैन छात्र को प्रवेश दिया जा सकेगा।

सम्पर्क सूत्र :

श्री अशोक कुमार जैन 9414047784
श्री अनिल कुमार जैन 9414001041

जयपुर में 'बड़े पल्लीवाल भवन' के सपने का हश्र एक नजर में

श्रीमान् श्रीचन्द जी जैन, भूतपूर्व महामन्त्री अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा एवं भूतपूर्व मंत्री महासभा शाखा जयपुर के द्वारा श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका के फरवरी एवं अप्रेल 2021 के अंकों में लेखों के माध्यम से पल्लीवाल जैन समाज के असहाय वृद्धों के लिए एक वृद्धाश्रम की आवश्यकता महसूस की गयी, आज के परिपेक्ष्य में यह सामाजिक कार्य बहुत ही आवश्यक हो गया है, इससे मैं भी सहमत हूँ। इन भावनाओं से प्रेरित होकर मैंने भी इस विषय पर लिखने का निर्णय लिया।

इन लेखों के माध्यम से उन्होंने पल्लीवाल समाज के सम्मानित वृद्धजनों की समस्याओं पर गहरी चिन्ता व्यक्त की है। यह बात सही है तथा देखा भी जा रहा है कि कुछ परिवारों में वृद्धजनों की देखभाल के लिए जिम्मेदार व्यक्ति नहीं है या परिवार के प्रमुख सदस्य जिम्मेदारी से बचते हैं या नौकरी में दूर-दराज, देश-विदेश में रहने के कारण उनकी सेवा नहीं हो पा रही है, हालांकि इसमें आर्थिक सक्षम व कमजोर परिवार दोनों ही है। वृद्धावस्था में बुजुर्गों को रोजाना की समस्याऐं खाने-पीने, लैट-बाथ, दवाई की व्यवस्था, डॉक्टर से उपचार करवाने जैसी अनेक समस्या से जूझना पड़ता है।

इस मुददे पर समाज की संस्थाओं को आगे आना चाहिए तथा इसका समाधान निकालना चाहिए। जिससे समाज के असहाय वृद्धजनों को सामाजिक सुरक्षा व समुचित देखभाल प्राप्त हो सके। आज पल्लीवाल समाज बहुत सक्षम स्थिति में है, यह जिम्मेदारी अच्छी तरह निभा सकता है बशर्ते कि कोई समाज की संस्था जिम्मेदारी ले व वृद्धाश्रम की विस्तृत रूपरेखा का ठोस प्रस्ताव समाज के सामने प्रस्तुत करे तो यह कार्य असम्भव नहीं है।

आदरणीय श्री श्रीचन्द जी ने लेखों में यह बताया है कि उन्होंने विभिन्न मंचों से व पल्लीवाल महासभा की केन्द्रीय कार्यकारिणी में वृद्धाश्रम का प्रस्ताव कई बार रखा लेकिन कुछ सदस्यों की नकारात्मक सोच के कारण यह आगे नहीं बढ़ सका उनकी यह टीस आज भी उनके विचारों में नजर आ रही है।

मैने कार्यकारिणी की मीटिंगों के प्रस्ताव पल्लीवाल जैन पत्रिका के माध्यम से पढ़े हैं, परन्तु मैंने कोई ठोस प्रस्ताव महासभा की किसी कार्यकारिणी बैठक में किसी के द्वारा कभी प्रस्तुत किया गया हो, मैंने नहीं पढ़ा। इस तरह के प्रस्ताव केवल सामान्य चर्चा से आगे नहीं बढ़ पाते हैं, इसके लिए समाज के प्रतिनिधियों/पदाधिकारियों को कोई ठोस योजना का प्रस्ताव (प्रोजेक्ट) लाना चाहिए जिस पर कार्यकारिणी/समाज कुछ निर्णय ले सके तथा प्रस्ताव बहस सुझावों के अनुसार उचित परिवर्तन के साथ आगे बढ़ सके। ऐसा भी नहीं देखा गया है कि कोई ठोस प्रस्ताव महासभा की शाखाओं के सामने कभी प्रस्तुत किया गया हो जिसमें भूखण्ड की निःशुल्क व्यवस्था के लिये कहा गया हो। समाज में ऐसा देखा गया है कि यदि किसी मंदिर/ धर्मशाला/स्कूल/होस्टल के लिए विकसित भूखण्ड किसी भामाशाह से या संस्था से दान स्वरूप मिल जाता है तो उस पर भवन निर्माण के लिये समाज आगे आ जाता है और वह प्रोजेक्ट धीरे-धीरे पूर्ण हो ही जाता है।

इसी क्रम में कहना चाहता हूँ कि महासभा की जयपुर शाखा की पूर्व कार्यकारिणी द्वारा 4 वर्ष पहले निःशुल्क भूखण्ड का सपना सजोकर एक बिल्डर मै. रॉयल जैन सिटी वाटिका जयपुर से एक व्यापारिक अनुबन्ध (MOU) दिनांक 19.04.2017 को किया था। जिसमें इस कॉलोनी में 25,000 वर्ग गज के विकसित भूखण्ड (जेडीए से पट्टे स्वीकृत कराकर) पल्लीवाल समाज के बंधुओं को बिकवाने पर 6,000 वर्ग गज का विकसित भूखण्ड (जेडीए पट्टा उसी कॉलोनी में) कॉलोनाइजर निःशुल्क इस डील की एवज में देगा। बाद में अनुबन्ध बढ़ाकर दो संशोधित पार्ट अनुबन्ध दिनांक 13.01.2018 एवं 21.02.2018 को किये गये जिसके अनुसार यदि पल्लीवाल महासभा शाखा जयपुर कम भूखण्ड बिकवाती है तो उसी अनुपात में कम विकसित भूखण्ड जयपुर महासभा शाखा को बिल्डर द्वारा उन्ही शर्तों पर दिया जायेगा। साथ में उस भूखण्ड की बाउण्ड्रीवाल, नलकूप तथा पट्टे की रजिस्ट्री आदि सभी खर्चे कॉलोनाइजर वहन करेगा। हर कार्य को पूर्ण कराने की जिम्मेदारी श्री पारस जैन (खेरली वाले) मंत्री शाखा ने ली तथा स्वयं को संयोजक बनाने का प्रस्ताव भी रखा जिसे कार्यकारिणी ने सर्वसम्मति से पास कर श्री पारस जैन को यह जिम्मेदारी दे दी। श्री पारस जैन द्वारा अपनी पसन्द की भूमि समिति मनोनीत कर यह कार्य बड़े जोर-शोर से शुरू किया। इस समिति ने केवल मुझे समाज की तरफ से सर्वसम्मत सदस्य नामित करवाया गया था।

इस अनुबन्ध के प्रथम पक्ष की शर्तों के अनुसार द्वितीय पक्ष अर्थात संयोजक भूमि समिति द्वारा कॉलोनाइजर के 12,500 वर्ग गज भूमि के करीब 115 प्लॉट बिकवाकर करीब 8 करोड़ रूपये का व्यापार करा दिया लेकिन बदले में अनबन्ध की की दूसरे पक्ष की शर्तों के अनुसार प्रथम पक्ष अर्थात बिल्डर को विक्रय भूमि के अनुपात में करीब 3,000 वर्ग गज जमीन का विकसित भूखण्ड (जेडीए पट्टा) जयपुर महासभा शाखा को नहीं दिलवाया जो कि

MOU की शर्तों का सरासर उल्लंघन था। वर्तमान जयपुर शाखा के संयोजक पर लगातार दबाव बनाने पर डील पूर्ण होने के डेढ़ वर्ष (18 माह) बाद 4,000 वर्ग गज का अविकसित भूखण्ड (कृषि भूमि) इस कॉलोनी के नजदीक 30 फुट रोड़ पर दिलवा दिया जबकि रॉयल जैन सिटी स्कीम में दिलवाना था। नियमानुसार जेडीए पट्टे पर ही भवन बन सकता है तथा कोई भी प्लॉट होल्डर कृषि भूखण्ड का अकेले भविष्य में जेडीए पट्टे में परिवर्तित नहीं करा सकता है। भविष्य में इस कृषि भूमि की निगरानी में चौकीदार आदि का खर्चा और वहन करना पड़ेगा तथा इस तरह इसके कब्जे की सुरक्षा कौन करेगा। गिफ्ट में मिलने के कारण इसे बेचकर दूसरा प्लाट भी नहीं लिया जा सकता है। निश्चित ही इसमें कुछ कानूनन पेच निकलेगा। जिसके कारण ऐसा अनुबन्ध विरुद्ध कार्य किया गया। यह तो रजिस्ट्री के कागजों की जाँच के बाद ही पता चलेगा। इस वित्तीय अनियमितता का ऑडिट समाज द्वारा अति आवश्यक है जिससे की इस प्रकार की सही स्थिति समाज के सामने आ सकती है।

पूर्व मंत्री व संयोजक भूमि समिति श्री पारस जैन ने श्री पल्लीवाल पत्रिका के माध्यम से पूरे-पूरे पेज के कलर विज्ञापन देकर तथा पूरे समाज के कार्यरत WhatsApp ग्रुपों पर इस डील का प्रचार प्रसार किया तथा बताया गया कि इस भूखण्ड पर जयपुर समाज का बड़े पल्लीवाल भवन का सपना पूरा हो जायेगा। लेकिन इस MOU का समाज के प्लेटफॉर्म पर कैसा हश्र हुआ समाज इस पर चिन्तन करें। समाज को इस मामले में करीब 2 करोड़ रु. की चपत लगी और बड़े पल्लीवाल भवन अर्थात वृद्धाश्रम, स्कूल आदि का सपना चूर-चूर हो गया। मैंने यह मामला संयोजक को पत्र लिखकर तथा प्रतिलिपी जयपुर समाज के सम्मानित करीब 40 प्रमुख प्रतिनिधियों (महासभा के पूर्व मंत्री, महामंत्री, अध्यक्ष, शाखा अध्यक्ष एवं भूमि समिति सदस्यों आदि) को निवेदन के साथ प्रेषित की जिसमें श्री श्रीचन्द जैन को भी भेजी थी कि इस मामले में व्यक्तिगत रूचि लें अन्यथा 'बड़े पल्लीवाल भवन' का सपना अधूरा ही रह जायेगा व जेडीए पट्टे वाला भूखण्ड नहीं मिलेगा तथा महासभा की जयपुर शाखा को बहुत बड़ा आर्थिक नुकसान व उसकी विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह लग जायेगा लेकिन अफसोस है कि प्रबुद्ध प्रतिनिधियों की सक्रियता व जागरूकता के अभाव में यह मामला मृतप्रायः हो गया और कॉलोनाइजर ने कृषि भूमि दे दी जिसकी शर्तें भी आज तक किसी को नहीं पता है। इसकी रजिस्ट्री का विवरण अभी तक जयपुर समाज को एक-डेढ़ वर्ष व्यतीत होने के बावजूद वर्तमान कार्यकारिणी ने सार्वजनिक नहीं किया है। समाज में इससे बड़ा दुःस्साहस शायद ही कहीं देखने को मिले कि सन् 2018 में पल्लीवाल समाज की जयपुर शाखा द्वारा छपवाई गई टेलीफोन डायरेक्ट्री में बिल्डर से 4,000 वर्ग गज का पट्टा लेते हुए ग्रुपफोटो छापा गया तथा संयोजक भूमि समिति व मंत्री श्री पारस जैन ने अपने लेख में 4,000 वर्ग गज का रॉयल जैन सिटी में पट्टा मिलने की भ्रामक जानकारी दी। इसके लिए दिनांक 19.02.2018 में आर-1 प्लाट का पजेसन लेटर जारी करवा दिया गया, जबकि आर-1 नाम से कोई प्लाट रॉयल जैन सिटी के नक्शे में है ही नहीं। 2020 में वर्तमान कार्यकारिणी के समक्ष भूखण्ड की रजिस्ट्री कराई गयी इस विरोधाभाषी पट्टों की हकीकत सोसियल ऑडिट के बाद ही पता लग सकती है। यह कैसी समाज सेवा, इस पर सम्मानित समाज मन्थन करें।

एक ईमानदार प्रयास के साथ सन् 2013 में प्रारम्भ की गई समाज की एक और रजिस्टर्ड संस्था पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति का विवरण प्रस्तुत करना चाहूँगा। इस संस्था के प्रमुख तीन शिल्पकारों आदरणीय श्री आर.सी. जैन, सेनि. आई.ए.एस., श्री ओमप्रकाश जैन, एडवोकेट दांतिया वाले एवं श्री अशोक कुमार जैन भूतपूर्व महामंत्री महासभा ने इस संस्था का ठोस प्रस्ताव बनाकर 11 संस्थापक सदस्यों के एक-एक लाख रुपये सदस्यता शुल्क से यह संस्था पंजीकृत करायी तथा आदरणीय श्री ओमप्रकाश जैन ने भामाशाह की भूमिका निभाकर 200 वर्ग गज भूखण्ड दान स्वरूप हॉस्टल निर्माण के लिए दिया तथा आदरणीय श्री आर.सी. जैन ने शिक्षा समिति के सभी संस्थापक सदस्यों को साथ लेकर एक ठोस प्रोजेक्ट व योजना बनाकर समाज के सामने रखी, आज उसी का परिणाम है कि समाज के दानदाताओं के विश्वास व प्रबल समर्थन से करीब 400 वर्गगज में 12,500 वर्ग फुट आच्छादित क्षेत्रफल का एक पाँच मंजिला भव्य भवन (स्कूल व हॉस्टल) बन चुका है तथा समाज को शीघ्र समर्पित करने की तैयारी चल रही है।

इसी तरह बड़े पल्लीवाल भवन अर्थात वृद्धाश्रम आदि योजनाओं के लिए बिल्डर से दिये गये अनुबन्ध पर समाज के सम्मानित प्रतिनिधि व सम्मानित जयपुर समाज प्रहरी की तरह सक्रिय तथा सजग रहते तो सामाजिक संस्था अर्थात जयपुर शाखा में यह दुर्घटना नहीं होती तथा ऐसी योजनाओं का हश्र नहीं होता।

मैंने यह कथन प्राप्त दस्तावेजों व भूमि समिति का सदस्य होने के कारण उपलब्ध जानकारी के आधार पर निष्पक्षता से लिखने का प्रयास किया है। किसी व्यक्ति विशेष को लक्ष्य बनाकर नहीं, यदि किसी समाज बन्धु को कटु लगे तो क्षमा प्रार्थी हूँ।

-अनिल कुमार जैन, 'BSNL'
191/08, प्रताप नगर, जयपुर
(लेखक के समाज हित में निजी विचार)

पत्रिका सहायता

★ **श्री राजेन्द्र कुमार जी एवं माया जी जैन,** 111-कंचन विहार अपार्टमेन्ट, कंचन बाग, साउथ तुकोगंज, इन्दौर ने अपने सुपुत्र चि. यश संग सौ.कां. साक्षी के शुभ विवाहोपलक्ष में पत्रिका सहायता हेतु रु. 1100/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. डी-1856)*

★ **श्री राहुल जी जैन,** बसंत रोड, दिल्ली ने अपनी माताजी श्रीमती चन्द्रलता जी जैन के स्वर्गवास पर उनकी स्मृति में पत्रिका सहायता हेतु रु. 1100/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. डी-2527)*

★ **श्री तन्मय कुमार जी जैन** पुत्र स्व. श्री महेश चन्द जी जैन, 69, स्कीम नं. 8 (विस्तार) अलवर ने अपने पूज्य पिताजी श्री महेश चन्द जैन पुत्र श्री प्रकाश चन्द जैन (परवैणी वाले) की पुण्य स्मृति में पत्रिका सहायता हेतु रु. 500/-सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. डी-2507)*

★ **श्री देवेन्द्र जी जैन, पुष्पेन्द्र जी जैन एवं संजय जी जैन,** सिद्धार्थ नगर, जयपुर ने अपनी माताजी श्रीमती कौशल्या देवी जी जैन धर्मपत्नी स्व. श्री मिट्ठनलाल जी जैन के देवलोक गमन पर उनकी पुण्य स्मृति में पत्रिका सहायता हेतु रु. 500/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. डी-2558)*

★ **श्री अखलेश जी कोटिया,** कलकत्ता ने अपने पूज्य पिताजी स्व. श्री ज्ञानचन्द जी कोटिया एवं पूज्य माताजी स्व. श्रीमती पुष्पा जी कोटिया की पुण्य स्मृति में पत्रिका सहायता हेतु रु. 2200/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. डी-2508)*

★ **श्रीमती सन्तोष जी जैन,** गोविन्द नगर, आमेर रोड, जयपुर ने अपने पति श्री भुवनेश कुमार जी जैन पुत्र स्व. श्री सुमेर चन्द्र जी जैन के दिनांक 16.05.2021 को देवलोक गमन पर उनकी पुण्य स्मृति में पत्रिका सहायता हेतु रु. 1100/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. डी-2562)*

★ **श्री दीपक कुमार जी जैन, राकेश कुमार जी जैन,** नौगावां ने अपनी पूज्य माताजी स्व. श्रीमती शान्ती देवी जी जैन धर्मपत्नी स्व. श्री प्रकाश चन्द जी जैन की पुण्य स्मृति में पत्रिका सहायता हेतु रु. 500/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. 4987)*

★ **श्री राजेन्द्र जी जैन एवं रविन्द्र जी जैन,** 46-एसबीबीजे ऑफिसर्स कॉलोनी, मानसरोवर, जयपुर ने अपनी पूज्य माताजी स्व. श्रीमती प्रेमवती जी जैन के देवलोक गमन पर उनकी पुण्य स्मृति में पत्रिका सहायता हेतु रु. 1100/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. डी-2530)*

★ **श्री सुनील कुमार जी जैन** एवं उनके परिवार ने श्री योगेश जी जैन पुत्र स्व. श्री नेमचन्द जी जैन, निवासी डब्ल्यू जेड 650, पालम गांव, नई दिल्ली के दिनांक 02.05.2021 को देवलोक गमन पर उनकी पुण्य स्मृति में पत्रिका सहायता हेतु रु. 1100/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. डी-2533)*

★ **श्री सुशील जी जैन एवं मीनू जी जैन** ने अपनी सुपुत्री तनिशा के दिनांक 08.05.2021 को सम्पन्न शुभ विवाह के उपलक्ष्य में पत्रिका सहायता हेतु रु. 1100/- सप्रेम भेंट किए। *(र.सं. डी-2534)*

आ जाओ महावीर
त्राहि त्राहि मची हुई है,
कैसे धरे अब धीर।
करुणा के दातार कहाँ हो,
आ जाओ महावीर

दुख के बादल टूट पड़े हैं,
रात अंधेरी छायी है।
गली, मोहल्ले, शहर हैं सूने,
लहर तूफानी आयी है।

बन आशा की किरणें तुम,
अवतरित हो जाओ वीर।
करुणा के दातार कहाँ हो,
आ जाओ महावीर।

लाशों के अब ढेर लग रहे,
भरते जा रहे हैं श्मशान।
मानव तुम्हें पुकार रहा,
करता है आह्वान।

महामारी से मुक्त करो अब,
हर लो जगत की पीर।
करुणा के दातार कहाँ हो,
आ जाओ महावीर।

जियो और जीने दो का,
संदेश तुम्ही से पाया है।
लेकिन इस दानव ने,
हा हा कार मचाया है।

अवनि अम्बर सिसक रहे हैं
बरस रहे हैं अश्रु नीर।
करुणा के दातार कहाँ हो
आ जाओ महावीर।

-सुनीता जैन 'सुनीति'
व्याख्याता, भरतपुर

एक ज्ञानवर्धक एवं शिक्षाप्रद कथा

स्वर्ण का मोह

एक समय की बात थी। स्वर्णागीरी नामक नगर में एक स्वर्णप्रेमी राजा राज करता था। राजा का स्वर्ण के प्रति इतना अधिक मोह था कि उसने राज्य की बहुमूल्य वस्तुएं बेच-बेच कर राजकोष में सोना ही सोना इकठ्ठा कर लिया था। राजा का मंत्री बड़ा ही बुद्धिमान था। वह जानता था कि स्वर्ण बहुमूल्य जरुर है लेकिन राजकोष में धन-धान्य आदि दैनिक उपयोग की वस्तुएँ स्वर्ण से भी अधिक महत्वपूर्ण हैं। किन्तु जब भी मंत्री अपनी यह बात राजा को समझाता, राजा उल्टा मंत्री को सुना देता था। इस बात से मंत्री दुखी और उदास रहने लगा।

एक दिन रात्रि में मंत्री ने सपना देखा कि राज्य में चारों ओर सोना ही सोना है, लेकिन लोग भूख से मर रहे हैं। एकाएक मंत्री की आंखे खुल गई उसने फिर से सोने की कोशिश की किन्तु वह करवटे ही बदलता रह गया, लेकिन उसे नींद नहीं आई। सुबह जब मंत्री की पत्नी ने मंत्री महोदय को उदास और दुखी देखा तो कारण पूछने लगी। पहले तो मंत्री ने मना किया लेकिन जब वह जिद करने लगी तो रात्रि के सपने का हाल और महाराज के स्वर्ण के प्रति मोह के बारे में उसने बताया। यह सब सुनकर वह बोली- 'इतनी सी बात को लेकर इतने दिन से परेशान हो, आपके महाराज के स्वर्ण का भूत मैं एक दिन में उतार सकती हूँ।'

यह सुनकर मंत्री बड़ा खुश हुआ और पूछा- 'कैसे?'

तब वह बोली- 'उन्हें इच्छानुसार सोने की प्राप्ति करवाकर।'

मंत्री बोला- 'मैं कुछ समझा नहीं।'

तब वह बोली- 'आप तो महाराज को शिकार खेलने के लिए जंगल ले जाइये, बाकि सब आपको स्वतः समझ आ जायेगा।'

मंत्री अपनी पत्नी का सम्मान करता था और विश्वास भी, अतः उसने सोचा कि यदि यह बोल रही है तो जरुर कोई खास बात होगी। राजमहल जाकर उसने राजा से शिकार पर चलने का आग्रह किया। राजा भी अलमस्त तुरंत मान गया। राजा और मंत्री दोनों शिकार पर निकले, लेकिन उन्हें शिकार करने के लिए कोई जानवर नहीं मिला। भटकते-भटकते वह बहुत दूर निकल गये। तभी राजा को प्यास लगी। दोनों शिकार का विचार छोड़कर पानी की तलाश करने लगे। तभी अचानक उन्हें एक लकड़ियों के गट्ठर के पास बैठा एक बूढ़ा साधू दिखाई दिया। गट्ठर इतना बड़ा था कि वह बूढ़ा उसे उठा नहीं सकता था लेकिन फिर भी उसके पास बैठा था।

राजा ने कहा- 'बाबा! आप यहाँ अकेले इस गट्ठर के पास क्यों बैठे हैं ? क्या यह आपका है ?'

साधू बोला- 'सुबह से मैं किसी की प्रतीक्षा कर रहा हूँ कि कोई यह गठ्ठर मेरी कुटिया तक रखवा दे।'

राजा ने सोचा कि इस साधू की कुटिया में जरुर पीने का पानी होगा। अतः राजा और मंत्री दोनों ने साधू का लकड़ियों का गठ्ठर उठाया और बोले- 'चलिए बाबा! आपका गठ्ठर हम रखवा देते है।'

कुटिया में घुसते ही राजा ने पीने का पानी माँगा। साधू ने पीने का पानी दिया और बोला- 'हे राजा! तूने मेरी मदद की, इसलिए तू जो चाहे सो वरदान मांग ले।'

राजा के दिमाग में दिनरात सोना ही घूमता था। अतः सहज ही उसके मुंह से निकल गया कि.. 'मुझे ऐसा वरदान दीजिये कि मैं जिस वस्तु को स्पर्श करूँ वो सोने की हो जाये।'

साधू ने एक बार और पूछा- 'क्या तुम सच में ऐसा वरदान चाहते हो ?'

राजा बोला- 'हाँ ! महाराज! मैं ऐसा ही वरदान चाहता हूँ।'

साधू ने कहा- 'तथास्तु! सुबह सूर्य की पहली किरण के साथ तुम जिस किसी को भी स्पर्श करोगे, वो सोने का हो जायेगा।'

राजा बहुत खुश हुआ। प्रत्येक वस्तु को सोना बनाने के उत्साह में पूरी रात उसे नींद नहीं आई। लेकिन मंत्री अब भी दुविधा में था, अब तो महाराज के पागल होने में कोई संदेह नहीं। ऐसा सोचकर वह अपनी पत्नी पर मन ही मन गुस्सा हो रहा था। इधर प्रातःकाल राजा ने सूर्य की पहली किरण के साथ अपने पलंग का स्पर्श किया तो वह पूरा सोने का हो गया। राजा बहुत खुश हुआ। वह दौड़-दौड़ कर पूरे महल की दीवारों को सोने की बनाने लगा। महल सोने से चमकने लगा। तभी राजा को अपनी नन्हीं राजकुमारी दिखी। खुशी के मारे राजा उसे बाहों में भर लिया लेकिन देखते ही देखते वह सोने की मूर्ति में तब्दील हो

गई। अपनी हंसती खेलती गुड़िया राजा के हाथों में सोने की गुड़िया बनकर रह गई। यह देखकर राजा के होश उड़ गये। इतने में सामने से महारानी आ गई। उसने भी अपनी बेटी को सोने की मूर्ति बनते देखा तो जोर-जोर से रोने लगी। राजा ने उसे सांत्वना देने के लिए जैसे उसके सिर पर हाथ रखा। वो भी सोने की मूर्ति बन गई। राजा फूट-फूट कर रोने लगा। इतने में मंत्री महोदय भी वहाँ आ गये। राजा को दुःख और विषाद में डूबा और राजकुमारी और महारानी को सोने की मूर्तियाँ देखकर सारा मांजरा समझ गया।

उसने महाराज को समझाया कि 'महाराज! देख लिया अपने स्वर्ण के प्रति मोह का नतीजा, आप पूरी दुनिया को सोने का बना सकते हैं लेकिन सोने की दुनिया आपको खुशी नहीं दे सकती। जीवन में सभी चीजों का अपना-अपना महत्त्व है।

तब राजा बोला- 'महामंत्री ! मैं अब अपने जीवन में स्वर्ण को देखूंगा भी नहीं, लेकिन पहले मुझे इस श्राप रूपी वरदान से मुक्त करवाओ।'

मंत्री ने राजा को किसी को वस्तु को छूने से मना किया और उसे रथ में डालकर वापस उसी साधू के पास ले गया। राजा को वापस आता देख साधू मुस्कुराने लगा। साधू ने अपना कमण्डलु उठाया और कुछ जल लेकर राजा पर छिड़का और वह उस श्राप रूप वरदान से मुक्त हो गया।

साधू ने राजा को कमण्डलु दिया और कहा- 'वरदान से सोना बनी जिस वस्तु को वापस उसके वास्तविक रूप में चाहते हो, उस पर ये जल छिड़क देना। वह स्वर्ण के श्राप से मुक्त हो जाएगी।'

इस तरह राजा ने उन सब वस्तुओं को वापस ठीक किया जिसको उसने सोना बनाया था।

शिक्षा- दोस्तों! इस कहानी का पात्र राजा हममें से हर कोई है जो धन के प्रति आकंठ मोह में डूबा है।

मनुष्य - मानवता - सुसंस्कार

मनुष्य एक सांसरिक जीव है। संसार एक बहता हुआ पानी है जिसमें सभी प्रकार के अणु प्रभावित होते हैं। अब यह सोचना है कि जीव को अर्थात् मनुष्य को कि किस प्रकार मानवता और सुसंस्कारों को अपनी झोली में डाल सकता है।

कहावत है वह साधक नहीं जो तपता नहीं, तपता नहीं वह पकता नहीं। तप तो पकने की प्रयोगशाला है। आम पकता है तपने के बाद, रोटी पकती है तपने के बाद, सोना चमकता है तपने के बाद। आत्मा - परमात्मा बनती है तपने के बाद। अनेक उदाहरण हैं इतिहास के पन्ने पलटिए।

हे भव्य पुरुष! बिना कांटों के गुलाब बड़ी मुश्किल से खिलते हैं बिना घी के दीपक बड़ी मुश्किल से जलते हैं। श्रेष्ठता विचारों से नहीं संस्कारों से मिलती है, सिद्धि वचनों से नहीं व्यवहार से मिलती है। व्यवहार ही एक ऐसा महकदार पौधा है जिसमें मानवता के पुष्प खिलते हैं। यह एक ऐसी चाबी है जो बन्द दरवाजे को भी खोल देती है। मानवता एक ऐसा दीपक है जो दिन-रात चमकता है कोहिनूर हीरे की तरह।

हे श्रेष्ठीजन! मानवता के बगीचे में अनेक प्रकार के पुष्प खिलते हैं जिनकी महक दसों दिशाओं में फैलती है। सहिष्णुता-ममता-समता-अपनत्व-सत्यता-विनम्रता-धैर्य-क्षमता-दक्षता-सालिन्द-धर्म परायणता-उच्च विचार-आदर्श जीवन। ऐसा बगीचा हो जीवन में ताकि इनकी महक प्रभु की भक्ति में घुल जाऐं।

हे भव्य आत्मा! जब मनुष्य में ऐसे बीजों की उत्पति होगी तो निश्चय ही आत्मा परमात्मा के स्वरूप का दर्शन करेगा लेकिन ये पवित्र बीज कहां से आएगें, इन्हीं का स्वरूप ही संस्कार हैं। विचार-व्यक्तित्व-भाषा- साहित्य-उत्तम सोच-विनय-सकारात्मक विचार-वेषभूषा-उत्साह- साहस-धर्मपर्यता-विवेक-विश्वास आदि जो छोड़ के जाते हैं उन्हे जीवन में उतारना तथा दैनिक प्रयोगिक ही संस्कार है। संस्कार तो बुजुर्ग दर बुजुर्ग आशा भरी पोटली में बांध कर छोड़ देते हैं। कहते हैं- संस्कार न आसमान से बरसता है न धरती से उपजता है। यह भी कटु सत्य है संस्कार दरवाजे पर कई पीढ़ियों तक रहता है। विश्वास ही तो लक्ष्य की पूर्ति है। इसमें यदि ईमानदारी तथा अनुशासन का झौंकन लगा दिया तो जीवन रूपी जायका का आनन्द आयेगा। अवश्य आता है।

सुसंस्कारों का दान देकर प्रेरणात्मक गौरवशाली वाणी द्वारा घर के दरवाजे को सजाकर छोड़ गए है उनकी सारी खुशियाँ हमारे अन्तरमन में गूँज रही है, संस्कार हमारा, हमारे द्वारा-हमारे लिए-प्रेरणा दायक रहें। तो जीवन के पथ में कभी भी कंटीली झांड़िया उत्पन्न न होगी। सुसंस्कार ही जीवन की खुशियों का समुद्र है। जीवन में सबसे पहले अच्छे संस्कार सीखिए। आकांक्षा की इच्छा है बांटते रहे, खुशी जहाँ भी हो तुम, यहीं स्वर्ग मिल जायेगा जीते जी तुमको।

-आकांक्षा जैन
मण्डावर महुआ रोड

कहानी

सौतेली माँ

एक व्यक्ति था उसकी पत्नी का देहांत प्रसव के दौरान ही हो गया था परन्तु किसी तरह बच्चा हो गया था। छोटा बच्चा माँ के बिना कैसे संभाला जाएगा ये एक बहुत ही चिंता का विषय हो गया था। कई मित्रों व सगे सम्बन्धियों के कहने पर उसने पुनः विवाह किया, बच्चे को नई माँ मिल गयी। नयी माँ बच्चे की सार सम्भार करने लगी बच्चे को भी लगा जैसे की उसकी माँ फिर से मिल गयी। कुछ ही वर्षों में उस युवती को भी एक पुत्र हुआ और उसका ध्यान अपने नए बच्चे पर अधिक रहने लगा। धीरे धीरे उसकी दृष्टि में दोष आने लगा और वो पक्षपात से ग्रसित हो गयी। अब उसे लगने लगा की इस घर का वारिस तो बड़ा लड़का है और संपत्ति पर भी अधिक हक़ इसी लड़के का है। उसे अपने पुत्र के भविष्य की बहुत चिंता रहने लगी।

उसने अपने पति को समझा बुझा के राज़ी किया और बड़े लड़के की पढ़ाई लिखाई सब छुड़वा दी और घर के नौकर को भी हटा दिया तथा सब काम उसी लड़के से कराने लगी। बच्चे के ऊपर बहुत बड़ी विपदा आ पड़ी वो अभी दूसरी कक्षा में ही था और दुनियादारी कुछ नहीं जानता था। उसे यही लगता था माँ ने सही किया होगा घर का सारा काम करते-करते उसका पूरा दिन बीत जाता था। धीरे धीरे माँ ने उसे समझा दिया कि उसका असली कार्य अपने छोटे भाई की सेवा ही है और उसका छोटा भाई ही असली मालिक है। बच्चे ने माँ की आज्ञा मान ली और सदा ही अपने भाई की सेवा सम्भार में तत्पर रहने लगा।

अब वो बड़े लड़के को ज़रा ज़रा सी ग़लती होने पर डांटने मारने भी लगी थी ताकि उस पर एक भय बना रहे। वो कोई अच्छे से अच्छे काम भी करता तो उसकी सौतेली माँ उसे बिलकुल बेकार बताती लेकिन फिर भी बालक के मन में माता के लिए प्यार ही उभरता वो उसे सौतेली नहीं मान पाता था।

उस औरत ने घर के पूजा पाठ का जिम्मा भी उसी बच्चे को दे रखा था अतः उस बालक की बुद्धि धीरे धीरे आध्यात्मिक होने लगी। जैसे-जैसे वो बड़ा होने लगा उसे सच्चाई समझ में आने लगी लेकिन वो अपना सब दुःख भगवान से ही कह कर संतोष कर लेता था और उसका सारा दुःख समाप्त हो जाता था।

पिता से वो बहुत प्रीती करता था और जानता था की पिता उसकी स्थति से बहुत दुखित रहते हैं लेकिन वो उनसे हमेशा माँ की बढ़ाई ही करता था। पिता का होना ही उसके लिए बहुत था परन्तु उसके पिता भी एक बीमारी में चल बसे और वो बिलकुल अकेला हो गया। बस भगवान ही उसके रह गए। समय बीतने लगा और दोनों बच्चे बड़े हो गए। अब घर का सारा अधिकार सौतेली माँ के हाथ में था।

योजना के अनुसार बड़े बच्चे की शादी उस औरत ने बहुत ही गरीब घर में व अनपढ़ औरत से कर दी तथा अपने पुत्र की बहुत बड़े घर में व पढ़ी लिखी युवती से कर दी।

उसने बड़े लड़के को नौकरों वाले घर में से एक घर दे दिया और उसकी पत्नी को भी बता दिया की उसका असली कार्य मालकिन यानी छोटी बहु की सेवा करना ही है। छोटे लड़के के लिए उसने बहुत बड़ा भवन बनवाया था और स्वयं उसी में उन्हीं के साथ निवास करने लगी।

बड़ा लड़का खुशी से अपना जीवन व्यतीत करने लगा और पत्नी के साथ माँ व छोटे भाई के परिवार की सेवा करने लगा। छोटे लड़के की स्त्री को उसकी माँ बहुत अखरती थी उसे लगता था की मालकिन उसे होना चाहिए। अब सास बीमार भी रहती थी और साथ में रहने के कारण रात बिरात सेवा उस छोटी बहु को ही करनी पड़ती थी जो उसे बिलकुल नापसंद था।

एक दिन पता चला की सास को छूत की बिमारी हो गयी है ये जानकर तो छोटी बहु और दूर-दूर रहने लगी। उसकी आँखों में सास खटकने लगी। उसने अपने पति से कह दिया की इस घर में या तो वो रहेगी या उसकी माँ। छोटे लड़के पर अपनी पत्नी का जादू चढ़ा हुआ था उसने अपनी ही माँ को घर से बाहर निकाल दिया और उसे वहीं नौकरों के घर में रहने को कह दिया। अब माँ भी वृद्ध हो गयी थी और अचानक हुए इस घटनाक्रम से एकदम बदहवास हो गयी। उसे अपने जीवनभर की पूँजी व्यर्थ जाती दिखी, वो तो अपने इस बेटे के ऊपर पूरी तरह निर्भर थी उसने सपने में भी ऐसा नहीं सोचा था। उसे लगने लगा की अब उसकी सेवा कौन करेगा, उसने आत्महत्या करने का निर्णय ले लिया और गंगा जी में डूबने चल दी।

बड़ा लड़का कहीं बाहर गया था और उसे कुछ पता नहीं था, वो एक घाट से गुज़र रहा था, शोर सुना तो देखा कोई नदी में डूब रहा है। उसने भी छलांग लगा दी और जब बचाके लाया तो देखा की ये, ये तो उसकी ही सौतेली माँ है।

जब उसे सारी बात पता चली तो वो बहुत दुखित हुआ और अपनी पत्नी व माँ के साथ घर त्याग दिया व दूसरे गाँव में रहने लगा। उसने अपने पत्नी के साथ माँ की बहुत सेवा की और वो ठीक हो गयी। वो लोग अच्छे से जीवन बसर करने लगे।

एक दिन उसकी माँ से बड़ी बहु ने पूछा माँ मुझे कुछ शिक्षा दें तो सास कि आँखों में आँसू भर आये उसने मात्र इतना कहा कि बेटी तुम्हारा पति तो भगवान के समान है, शिक्षा तुम्हें उससे ही लेनी चाहिए। मैं तो इतना ही कहूँगी कि किसी को भी पराया नहीं समझना चाहिए और जीवन में किसी के साथ इतना बुरा मत करना कि जब वो तुम्हारे साथ फिर भी भलाई करे तो तुम्हारी आत्मा को गंवारा न हो।

काँच की बरनी और दो कप चाय

जीवन में जब सब कुछ एक साथ और जल्दी-जल्दी करने की इच्छा होती है, सब कुछ तेजी से पा लेने की इच्छा होती है, और हमें लगने लगता है कि दिन के चौबीस घंटे भी कम पड़ते हैं, उस समय ये बोध कथा, 'काँच की बरनी और दो कप चाय' हमें याद आती है।

दर्शनशास्त्र के एक प्रोफ़ेसर कक्षा में आये और उन्होंने छात्रों से कहा कि वे आज जीवन का एक महत्वपूर्ण पाठ पढाने वाले हैं...

उन्होंने अपने साथ लाई हुई काँच की एक बड़ी बरनी (जार) टेबल पर रखा और उसमें टेबल टेनिस की गेंदें डालने लगे और तब तक डालते रहे जब तक कि उसमें एक भी गेंद समाने की जगह नहीं बची... उन्होंने छात्रों से पूछा- क्या बरनी पूरी भर गई? हाँ... आवाज आई... फ़िर प्रोफ़ेसर साहब ने छोटे-छोटे कंकर उसमें भरने शुरु किये, धीरे-धीरे बरनी को हिलाया तो काफ़ी सारे कंकर उसमें जहाँ जगह खाली थी, समा गये, फ़िर से प्रोफ़ेसर साहब ने पूछा, क्या अब बरनी भर गई है, छात्रों ने एक बार फ़िर हाँ... कहा अब प्रोफ़ेसर साहब ने रेत की थैली से हौले-हौले उस बरनी में रेत डालना शुरु किया, वह रेत भी उस जार में जहाँ संभव था बैठ गई, अब छात्र अपनी नादानी पर हँसे... फ़िर प्रोफ़ेसर साहब ने पूछा, क्यों अब तो यह बरनी पूरी भर गई ना? हाँ... अब तो पूरी भर गई है... सभी ने एक स्वर में कहा... सर ने टेबल के नीचे से चाय के दो कप निकाले और उसमें भरी चाय को जार में डाला, चाय भी रेत के बीच स्थित थोड़ी सी जगह में सोख ली गई...

प्रोफ़ेसर साहब ने गंभीर आवाज में समझाना शुरु किया- इस काँच की बरनी को तुम लोग अपना जीवन समझो.... टेबल टेनिस की गेंदें सबसे महत्वपूर्ण भाग अर्थात भगवान, परिवार, बच्चे, मित्र, स्वास्थ्य और शौक हैं, छोटे कंकर मतलब तुम्हारी नौकरी, कार, बड़ा मकान आदि हैं, और रेत का मतलब और भी छोटी-छोटी बेकार सी बातें, मनमुटाव, झगड़े हैं...

अब यदि तुमने काँच की बरनी में सबसे पहले रेत भरी होती तो टेबल टेनिस की गेंदों और कंकरों के लिये जगह ही नहीं बचती, या कंकर भर दिये होते तो गेंदें नहीं भर पाते, रेत जरूर आ सकती थी...

ठीक यही बात जीवन पर लागू होती है... यदि तुम छोटी-छोटी बातों के पीछे पड़े रहोगे और अपनी ऊर्जा उसमें नष्ट करोगे तो तुम्हारे पास मुख्य बातों के लिये अधिक समय नहीं रहेगा... मन के सुख के लिये क्या जरूरी है ये तुम्हें तय करना है। अपने बच्चों के साथ खेलो, बगीचे में पानी डालो, सुबह पत्नी के साथ घूमने निकल जाओ, घर के बेकार सामान को बाहर निकाल फ़ेंको, मेडिकल चेकअप करवाओ... टेबल टेनिस गेंदों की फ़िक्र पहले करो, वही महत्वपूर्ण है... पहले तय करो कि क्या जरूरी है... बाकी सब तो रेत है...

छात्र बड़े ध्यान से सुन रहे थे... अचानक एक ने पूछा, सर लेकिन आपने यह नहीं बताया कि ''चाय के दो कप'' क्या हैं? प्रोफ़ेसर मुस्कुराये, बोले... मैं सोच ही रहा था कि अभी तक ये सवाल किसी ने क्यों नहीं किया...

इसका उत्तर यह है कि, जीवन हमें कितना ही परिपूर्ण और संतुष्ट लगे, लेकिन अपने खास मित्र के साथ दो कप चाय पीने की जगह हमेशा होनी चाहिये।

-संकलन : चन्द्रशेखर जैन

पल्लीवाल जैन शिक्षा समिति

सी-22, दांतिया हाऊस, इन्द्रपुरी, लालकोठी, जयपुर, फोन: 0141-2742467

रोजगार सूचना

1. वार्डन- **पल्लीवाल जैन छात्रावास हेतु**
(महिला को प्राथमिकता)

शैक्षणिक योग्यता- ग्रेजुएट

अनुभव- किसी छात्रावास/पी.जी. में कार्य करने का अनुभव। वार्डन का छात्रावास में रहना आवश्यक होगा। ग्रेजुएशन के साथ बी.एड./एस.टी.सी./एन.टी.टी. योग्यताधारी को प्राथमिकता।

2. प्रिन्सिपल/कोर्डिनेटर-

प्राथमिक विद्यालय हेतु

शैक्षणिक योग्यता- ग्रेजुएशन तथा बी.एड./एस.टी.सी./एन.टी.टी.

अनुभव- अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में पढ़ाने का अनुभव एवं अंग्रेजी माध्यम से शैक्षणिक योग्यता अर्जित करने वाले को प्राथमिकता।

वेतन- योग्यता एवं अनुभव के अनुसार

सम्पर्क : अशोक कुमार जैन
2-बी, रामद्वारा कॉलोनी, महावीर नगर, टोंक रोड, जयपुर, मो.: 9414047684

अक्षय तृतीय (आखा तीज)

भारतीय संस्कृति में अक्षय तृतीया (आखातीज) का बहुत महत्व है। सभी जाति और धर्म के लोग इस दिन को शुभ दिन मानते हैं, क्योंकि यह तिथि कभी क्षय नहीं होती। यह तिथि कभी घटती–बढ़ती भी नहीं है इसलिए इस तिथि का नाम अक्षय तृतीय रखा गया होगा। यह तिथि बैसाख माह के शुक्ल पक्ष मे आती है। अधिकांश ग्रामीण किसान भाई अपने बालक बालिकाओं का विवाह इसी तिथि पर बड़े धूम–धाम से करते हैं।

भारतीय संस्कृति के इस महत्वपूर्ण दिन का जैन परम्परा में तप और दान के पर्व के रूप में विशिष्ट स्थान है। तीर्थंकर ऋषभदेव के उत्कृष्ट तप और श्रेयांस कुमार के उत्कृष्ट दान की याद दिलाता है। अक्षय तृतीया के दिन प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभ देव का पारणा हुआ था। तपस्या के एक वर्ष से भी अधिक समय के पश्चात् उनके प्रपौत्र श्रेयांस कुमार के हाथों गन्ने का रस बहराकर/आहार दान देकर पारणा कराया।

जैन धर्म तप त्याग की अभिवृद्धि करने के लिये कई पर्व तिथि के रूपमें मान्यता प्राप्त हैं जैसे पंचमी, अष्टमी, एकादशी, चर्तुदशी इन तिथियों को पर्व तिथि के रूप में मान्यता प्राप्त है। इन पर्व विधियों को श्रावक–श्राविकाएँ जीवन में तप त्याग की अभिवृद्धि करें।

अक्षय तृतीया के निमित्त से भारत वर्ष में हजारों तपस्याएँ होती हैं–वर्षीतप, अर्द्धवर्षीतप, एकान्तर, उपवास आदि। तपस्वी यदि युद्धभाव से तपस्या करता है, कर्मो की निर्जरा करता है तो उसका महत्व है। यदि तपस्वी में अहंकार के पोषण की भावना जगती है तो मात्र दिखावा है। इसलिये तपस्या में अहंकार नहीं आना चाहिये।

अक्षय तृतीया के दिन जैन आचार्य भगवन् अपने संत–संतियों के चातुर्मास की घोषणाएं भी करते हैं। श्रद्धालु श्रावक–श्राविका बस द्वारा, ट्रेन द्वारा अथवा निजी वाहनों द्वारा यात्रा करके अपने आराध्य आचार्य, संत–मुनिराजों की सेवा में पहुंचते हैं। हालांकि अभी कोरोना काल चल रहा है। इस वर्ष कोराना के कारण आवागमन पर पूर्ण प्रतिबंश लगा हुआ है।

अतः पर्व दिवसों को चाहे पक्खी पर्व हो, पर्युषण पर्व हो अथवा अक्षय तृतीया पर्व सभी पर्व तिथियों को तप–त्याग पूर्वक मन, वचन काया के शुभ योग का उपयोग करते हुए मनाया जाना चाहिये।

–अशोक कुमार जैन
(निजी सचिव, प्रधान मुख्य वनसंरक्षक)
73/46 ए, मानसरोवर, जयपुर

अनमोल वचन

★ दुख में कभी घबराओ मत और सुख में कभी इतराओ मत।
★ उत्तम जीवन जीने के लिए नकारात्मक सोचना छोड़ दें।
★ नेकी एवं भलाई करना मानव का सर्वश्रेष्ठ कर्तव्य है।
★ दुःख और अशांति, मन की अज्ञानता से आती है।
★ विपत्ति से बढ़कर अनुभव देने वाला विद्यालय आज तक नहीं खुला।
★ असफलता निराशा का सूत्र नहीं, सफलता का प्रेरक है।
★ अहम से बढ़कर पाप नहीं, रहम से बढ़कर धर्म नहीं।
★ मानवता से ईश्वर के दर्शन होते हैं, क्योंकि ईश्वर तो प्रत्येक के हृदय में है।
★ सदाचरण ही सुख शांति समृद्धि सम्पति के बीज बोता है।
★ आपत्तियों पर विजय पाना जीवन का सबसे बड़ा आनंद है।
★ जो आदमी केवल उम्मीद पर जीता है, उसे भूखे मरना पड़ता है।
★ मानव की आवश्यकता पूर्ण हो सकती है, परन्तु आकांक्षाऐं नहीं।
★ आपके खान–पान से पता चल जाएगा कि आप किस तरह के इंसान हैं।
★ सच्चा इंसान वही है जो किसी से ईर्ष्या नहीं रखता।
★ उपकार करने वाले के सभी अपराध ईश्वर क्षमा कर देते हैं।
★ एकता रहित परिवार बिना शक्कर की चाय के समान हैं।
★ कर्ज लेकर समय पर न चुकाना महाकष्ट का कारण है।
★ अपना कार्य इस तरह कीजिये की वह आपकी पहचान बन जाये।
★ अपने किए हुए शुभ, अशुभ कर्म का फल अवश्य भोगना पड़ेगा।
★ सभी सुख–दुख को अपने कर्मों का फल समझ।
★ मनुष्य को वस्तु गुलाम नहीं बनाती, उसकी इच्छा गुलाम बनाती है।
★ खुशमिजाज और दिल के साफ आदमी का काम नहीं रूकता।
★ जिन्होंने आपको संकटकाल में सहारा दिया उनके प्रति सदैव कृतज्ञ रहें।
★ तीनों लोकों में ये चार बातें मनुष्य को सदैव प्रसन्नचित रखती हैं–
1. सद्वचन 2. सत्संग 3. सद् विचार 4. सत्कर्म
1. मैत्री 2. दया 3. दान 4. प्रियवचन

–विजय जैन

QUALITY WORKS • PROMPT SERVICE • COMPETITIVE RATES

PRODUCTS :
Transmission Line Towers (HT&LT), Telecom Towers, Wind Mill Structures, Sub-Station Structures, Lattice Structures, RSJ Poles & GI Earthing Strips.

FULLY EQUIPPED ULTRA MODERN FABRICATION AND GALVANIZING PLANT WITH EOT CRANES, HOISTS, POWER TROLLEYS, TESTING LABS & ETP SYSTEM TO ENSURE GREEN ENVIRONMENT

Fabrication & Galvanizing done as per IS, BIS, ASTM, DIN & ISO Standards
Bath Size : 9m (L) x 0.8m (W) x 1.4m (D)
Plant Capacity : 18000 Tons / Year

Vijay Transmission PVT. LTD.

Plant :
PNH No. 100, Village Kanhera, Block Dharsiva, Uria Acholi Marg, Dist. Raipur-492001
Tel.: (0771) 305 4900 • Fax : (0771) 232 3162

Corporate Office :
210, 211, 2nd Floor, Kamla Space, S.V. Road, Santacruz (West), Mumbai-400054
Tel.: 022-262183401 • Fax : +91-022-26609915
E-mail : info@vijaytransmission.com

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री बंगालीमल जी जैन

(3 अप्रेल 1943 - 21 मई 2019)

स्व. श्रीमती शकुन्तला देवी जी जैन

(13 जून 1948 - 28 अप्रेल 2021)

चाहे लाख करो पूजा और तीर्थ करो हज़ार
अगर की है माँ बाप की सेवा तो समझो मिल गया संसार

हम सभी परिवारजन आपको शत-शत नमन एवं
स्मरण करते हुए श्रद्धापूर्वक अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
रबिन्द्र जैन-सीमा जैन

पौत्र, पौत्री :
सुरभि, श्रद्धा, नमन

भतीजे :
राजकुमार जैन
विमल जैन
मंजीत जैन

दामाद-पुत्री :
श्री प्रमोद कुमार-ममता जैन, *मुरैना*
श्री आलोक कुमार-बबीता जैन, *भावनगर*
श्री गौतम जैन-रीना जैन, *हैदराबाद*
श्री अतुल कुमार-रेखा जैन, *जयपुर*

धेवते, धेवती :
नम्रता, उर्वशी, आदित्य, हर्ष, दिव्यांक,
विक्रम, त्रिशला, रिधिमा, ध्रुव, राहुल

फर्म :
विशम्भर नाथ बंगाली मल जैन, आगरा
बी.एम. जैन स्टील क., धौलपुर
मोबाइल : 9837076581, 9634271800, 9045005922

॥ भावभीनी श्रद्धांजलि ॥

स्व. श्रीमती प्रेमवती जी जैन

(15.11.1932 - 12.06.2021)

(धर्मपत्नी स्व. श्री जगदीश चंद जी जैन)

हम सभी परिवारजन अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

देवर :
नवीन चन्द जैन

पुत्र-पुत्रवधू :
राजेंद्र जैन (गांधी)-मंजू जैन
स्व. राकेश जैन-कुसुम जैन
रविन्द्र जैन-शबनम जैन

पुत्री-दामाद :
सुमन जैन-नवल जैन
शारदा जैन-स्व. सुभाष जैन
राजरानी जैन-घनश्याम जैन
रंजना जैन-दिनेश जैन

भतीजे, भांजा :
राजकुमार जैन, राजीव जैन, संजय जैन

पौत्र-पौत्रवधू :
अंकित जैन, रजत जैन,
राहुल जैन-चारु जैन,
हिमांशु जैन-श्वेता जैन

पौत्री दामाद :
शैली जैन-रौनक जैन
श्वेता जैन

पड़पौत्री, पड़पौत्र :
रिशिका जैन, चित्रांक जैन

भैया-भाभी :
स्व. श्री पूरणचन्द जैन-स्व. श्रीमती अशोक सुंदरी जैन
श्री जयंती प्रसाद जैन-स्व. श्रीमती कर्पूरी देवी जैन
श्री जगदीश प्रसाद जैन-श्रीमती माया देवी जैन

भतीजे-भतीजे वधू :
गिरीश जैन-मीना जैन
महेश जैन-नीलम जैन
सुनील जैन-सच्ची जैन
राजेंद्र जैन-प्राची जैन
संजीव जैन-बबीता जैन
तापेश जैन-संगीता जैन
मनीष जैन-सपना जैन

(समस्त चौधरी जैन परिवार, पुरामना वाले आगरा (उ.प्र.)

निवास

46, S.B.B.J. आफ़िसर कॉलोनी, मानसरोवर, जयपुर, मो.: 9660797507, 9414618062, 9829004364

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री चतुर्भुज जी जैन
(मुबारिकपुर वाले)
(स्वर्गवास : 10.08.1991)

स्व. श्रीमती चन्द्रकला जी जैन
(स्वर्गवास : 19.05.2021)

हम सभी परिवारजन आपके अथक परिश्रम, त्याग, धर्मनिष्ठा,
कर्तव्य परायणता से स्थापित उच्च आदर्शों को
प्रेरणा स्त्रोत मानकर आजीवन निभाऐंगे।
हम आप दोनों के यथार्थवादी जीवन को श्रद्धा पूर्वक नमन करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
शिखर चन्द जैन-त्रिशला जैन
प्रकाश चन्द जैन-कमलेश जैन

पुत्री-दामाद :
स्व. श्रीमती राजुल जैन-कंवरपाल जैन

पौत्र-पौत्रवधु :
योगेश जैन-आशा जैन
मुकेश जैन-रेखा जैन
निर्मल जैन-चित्राश्री जैन
अरूण जैन-डॉ. अनिन्द्या जैन

पौत्री-पौत्री दामाद :
रजनी जैन-राजीव जैन
रेखा जैन-गजेन्द्र कुमार जैन
डॉ. मधु जैन-अनन्त जैन

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री सुमेर चन्द जी जैन
(पुण्यतिथि : 08.08.2012)

स्व. श्रीमती शारदा देवी जी जैन
(धर्मपत्नी स्व. श्री सुमेर चन्द जी जैन)
(देवलोक गमन : 15.04.2021)

स्व. श्री अमरीश कुमार जी जैन
(सुपुत्र स्व. श्री सुमेर चन्द जी जैन)
(पुण्यतिथि : 01.06.2016)

हम आपको सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए
भगवान वीर से आपकी चिर आत्मीय शांति की प्रार्थना करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र :
श्री गिरीश कुमार जैन

दामाद:
श्री राकेश कुमार जैन

दोहिते :
गौरव जैन, अंशुल जैन

धर्मपत्नी :
श्रीमती मंजू जैन

पुत्र-पुत्रवधू:
धनेश जैन-दीपिका जैन
देवेश कु. जैन-प्रतीक्षा जैन

पौत्र, पौत्री :
अथर्व जैन, काव्या जैन

प्रतिष्ठान:
कॉम्पीटिशन क्वालीफायर्स, प्लॉट नं. 96, शक्तिनगर, त्रिवेणी चौराहे के पास, जयपुर

निवास:
प्लॉट नं. 13, रूपनगर प्रथम, गोपालपुरा, जयपुर फोन : 8058809135

75 वाँ जन्मदिन

की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

पदम चन्द जैन (Ex.- R.S.E.B.)

DOB. 6/6/1946

M.: 9352755207

उंगली पकड़ कर चलना सिखाया हमको
अपनी नींद दे के चैन से सुलाया हमको
अपने आंसू छुपा के हंसाया हमको
कोई दु:ख ना देना ए प्रभु उनको
75वाँ जन्मदिन मुबारक हो आपको

-: शुभेच्छु :-

धर्मपत्नी
श्रीमती आशा जैन

भाई-भाभी :
श्री जवाहर लाल-आशा जैन
श्रीमती सुशीला जैन

बेटी-दामाद :
शैला-विनोद जैन

पुत्र-पुत्रवधु:
मनोज-डोली
विकास-प्रीति
भरत-वन्दना

भतीजे-भतीजे वधु :
अरविन्द-शशि

बाल गोपाल:
प्रियांश, भव्य, स्नेहा,
निशा, विदित, महक, मानवी

प्रतिष्ठान:
जैन इलेक्ट्रिकल, केशवपुरा, मो. 9772985825
शिवाशा इलेक्ट्रिकल, विज्ञान नगर, मो. 9314412626
जैन इलेक्ट्रिकल एण्ड रिपेयरिंग हाऊस, बोरखेड़ा मो. 9214359449

निवास :
1-ध-17, विज्ञान नगर, कोटा, मो. 0744-2410335, 98291-59449

पूज्य पिताजी स्व. श्री कपूरचन्दजी जैन व माताजी स्व. श्रीमती अंगूरी देवी जैन की पुण्य स्मृति में

विमल चन्द जैन (रेता वाले)

ग्रुप ऑफ कम्पनीज

DEALERS & SUPPLIERS OF SILICA SAND & OTHER GLASS RAW MATERIAL

AKHIL JAIN (M) 9899823557 • ANKIT JAIN (M) 9837478564

★ The Rajasthan Silica Sand Suppliers

★ Santosh Mineral & Chemical Co.

★ S.B. Jain Mineral Enterprises

★ Super Fine Mineral Traders

★ Shree Vimal Silica Traders

★ Quality Silica Traders

128-129, गणेश नगर,
सेक्टर प्रथम,
पानी की टंकी के सामने,
फिरोजाबाद (उ.प्र.)
सम्पर्क : 098372-53305
090128-74922
05612-260096

सप्तम् पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रृद्धांजलि

स्व. श्रीमती नीता (मंजू) जैन

(स्वर्गवास : 8 मई 2014)

हम सभी शत्-शत् नमन करते हुऐ श्रृद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

इ. विजय जैन (पति)

ससुर :
डॉ. तारा चन्द जैन

जेठ-जिठानी :
डॉ. राजकुमार-डॉ. रंजना जैन

पुत्र :
नकुल जैन

भतीजा, भतीजी :
शिविन, डॉ. ऋचा जैन

चाचा ससुर :
श्रीपाल, सुभाष चन्द,
अमर कुमार, पवन कुमार जैन

ननद-ननदोई :
सुनीता-प्रमोद जैन

भांजे :
कार्तिकेय, विनायक जैन

प्रतिष्ठान :

★ पर्ल इण्डिया बिल्ड होम प्रा. लि., जयपुर ★
★ फाईनटेक डवलपर्स प्रा. लि., जयपुर ★

निवास

बी-78/602, पर्ल पैशन, राजेन्द्र मार्ग, बापूनगर, जयपुर।
फोन : 0141-2702947, मो. : 09929769939, 09414054745, 09829010092

चतुर्थ पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व.श्री किशनचन्द जी जैन

(19.06.1929 - 19.06.2017)

हम सभी परिवारजन सजल नेत्रों से श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं,
आपका स्नेह, सद्व्यवहार, सेवाभावना एवं प्रेरणादायक चरित्र
हमारा सदैव मार्गदर्शन करता रहेगा।

श्रद्धांजलि

श्रीमती किरण जैन
(धर्मपत्नी)

पुत्र-पुत्रवधु :
ई. प्रवीण-मंजू जैन
डॉ. देवेन्द्र-अनिता
पौत्र :
ई. देवेश
पौत्री-दामाद :
डॉ. निधि-डॉ. आरोन
पौत्री :
डॉ. दृष्टि

भतीजे-भतीज बहु :
अरूण-आरती जैन
चंद्रशेखर-संगीता जैन
श्रीमती अनीता जैन

पुत्री-दामाद :
सुमन-ई. सतीश जी जैन
नवीता-ई. भारतेन्दुजी

दोहिते-वधु :
ई. आलोक-सरगम
ई. पल्लव-ई. कोमल

निवास : बी-3, सरप्रताप कॉलोनी, एयरफोर्स रोड, रातानाडा, जोधपुर
मो.: 9928882445, 9435715100
फर्म : जैन मातृ एवं शिशु कल्याण केन्द्र, लाडनूं, मो.: 9414117488

With Best Compliments From

Authorised Distributor for

- ★ Johnson & Johnson Ltd.
- ★ SD. BIO SENSOR
- ★ Ortho Clinical Diagnostics
- ★ Lifescan-Division, for one touch Brand Glucometers & Strips.
- ★ Biorad Laboratories
- ★ Alere Medical
- ★ Transasia Biomedical Ltd.
- ★ LILAC Medicare

Sanjay Jain - Rajeev Jain

S.R. Enterprises

223, Bichoon Market, Kishanpole Bazar, Jaipur-302 003
Ph.: (O) 2322089, 2323903 (R) 2546017 • Fax : 0141-4022089
(M) +91-98290 12628, 94140 76265

In Loving Memory of

Late Sh. Shyamlal Ji Jain & Late Smt. Jaidevi Ji Jain

Raj Kumar Jain - Sushila Jain
(Son & Daughter in Law)

Vikas Jain - Babita Jain
Vipin Jain - Ritu Jain
(Grand Son & Grand Daughter in Law)

JAPAN KARATE-DO NOBUKAWA-HA SHITO-RYU KAI INDIA
UNIT-RAJASTHAN

LEARN

KARATE CLASSES

1. Self Defence Course.
2. Black-Belt Training Programme.
3. Yoga Training For Karate Students.
4. Organise District, State, National, International Championships & Training Programme.

FRENCH CLASSES

1. Prepare For Basic French Language.
2. Prepare For Delf Exam. (Conduct by Allaince De Français)

CONTACT :

Vipin Jain
3rd Dan Black Belt
Chief Karate Instructor of Rajasthan & West India Coordinator
9829180895
www.karatedorajasthan.com

Firm :

Jain Packing Materials

(Traders of Packing Materials & Machines)
46, Royal Complex, Medical Market, Near Railway Station, Ajmer (Raj.)
Residential Address :
464, "Shyam Sadan", Near Palliwal Digamber Jain Temple, Pal Bichla, Ajmer

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री सुभाष चंद जी जैन

(28.11.1951 - 23.05.2021)

(पुत्र स्व. श्री कपूर चन्द जी जैन, रामगढ़ वाले)

आपका स्नेह, सद्व्यवहार, सेवा भावना एवं प्रेरणादायक चरित्र
हमारा सदैव मार्गदर्शन करता रहेगा।
हम सभी आपको शत्-शत् नमन करते हुए अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

पत्नी :
रेखा जैन

भ्राता-भ्रातावधू :
प्रकाश चंद जैन -राजेश जैन
विकास चंद जैन-शोभना जैन

बहन-बहनोई :
बीना जैन-दिनेश जैन
पुष्पा जैन-कमल जैन

पुत्र-पुत्रवधू :
अमित जैन-रेशमा जैन

पुत्री-दामाद :
चारु जैन-राहुल जैन

भतीजे : अर्पित जैन, अनुज जैन

भतीजी-दामाद :
पूजा जैन-विकास जैन
दिव्या जैन-रितेश जैन
मेघा जैन-दीपक जैन

पौत्र, नातिन : अरनव जैन, रिशिका जैन

सास-ससुर :
स्व. श्रीमती कमला जैन-श्री नेमीचन्द जैन

साला-सलहज :
अशोक जैन-रश्मि जैन
अनिल जैन-नीलम जैन
(समस्त बडवासिया जैन परिवार, कोटा, राजस्थान)

निवास :
141 निमार्ण नगर AB, अजमेर रोड, जयपुर, मो. 9414780881

(CR D-2560)

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्रीमती किरण देवी जैन
(धर्मपत्नी श्री प्रेमचन्द जैन)
स्वर्गवास : 30.04.2021

स्व. श्री जितेन्द्र (बबली) जैन
(सुपुत्र श्री प्रेमचन्द जैन)
स्वर्गवास : 11.05.2021

के आकस्मिक देवलोक गमन पर विनम्र भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए वीर प्रभु से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें। हम सभी आपको शत्-शत् नमन करते हुए अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

आपका स्नेह, सद्व्यवहार, धर्मपरायणता, सेवा भावना एवं प्रेरणादायक चरित्र सदैव हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा।

श्रद्धावनत

पति :
श्री प्रेमचन्द जैन
पुत्र-पुत्रवधु :
जिनेन्द्र जैन-रेनु जैन
पौत्र, पौत्री :
रत्नाकर जैन, आंचिता जैन
पुत्री-दामाद :
आशा जैन-अजीत जैन
भाई :
अशोक जैन, महेश जैन, देवेन्द्र जैन, शिखर जैन *(बरगमा वाले)*

पिताजी :
श्री प्रेमचन्द जैन
भाई-भाभी :
जिनेन्द्र जैन-रेनु जैन
भतीजा, भतीजी :
रत्नाकर जैन, आंचिता जैन
दीदी-जीजाजी :
आशा जैन-अजीत जैन

एवं
प्रकाशचन्द, किशनचन्द, सुरेन्द्र कुमार, राजेन्द्र कुमार, लोकेश कुमार, मनोज कुमार जैन एवं समस्त परिवारजन

मैसर्स प्रेमचन्द किशनचन्द जैन (डीलर भारत पेट्रोलियम कॉ. लि.)
राजगढ़, लक्ष्मणगढ़, फोन : 9414361287, 01464-220052

सत्रहवीं पुण्यतिथि

स्व. श्रीमती सरस्वती जी जैन

स्वर्गवास : 4 जून 2004

आज हम सभी परिवारजन अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, आपका प्रेरणादायक चरित्र और जीवन की स्मृति रेखाएं सदैव हमारा मार्गदर्शन करती रहेंगी।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
महावीर प्रसाद जैन-इन्द्रा जैन
रमेश चन्द पल्लीवाल-सरोज जैन
ओम प्रकाश जैन 'एडवोकेट'-डॉ. विमला जैन

पौत्र-पौत्रवधु :
डॉ. बृजेश जैन-सीमा जैन
राजेश जैन- रामनिरी जैन
अवधेश तुषिका पल्लीवाल
हिमांशु जैन (*पार्षद, वार्ड नं. 142, ग्रेटर ज.न.नि.*)-सोनम जैन

प्रपौत्री :
डेजी जैन, अवन्तिका पल्लीवाल,
लक्षिता, भव्या,
वर्णिका, निषीका (नूपुर)

प्रपौत्र :
आली जैन,अरिहन्त पल्लीवाल

पुत्री-दामाद :
शकुन्तला जैन-दिनेश चन्द जैन

पौत्री-पौत्री दामाद :
विरमा जैन विमल चंद जैन
नीति जैन इं. मनीष जैन
प्रीति जैन-विजय कुमार जैन 'सीए'
डॉ. करिश्मा जैन

निवास

17, कृष्णा विहार, न्यू सांगानेर रोड, हीरा पथ पेट्रोल पम्प के सामने, मांग्यावास, मानसरोवर, जयपुर
'सरस्वती रतन', 8, विश्वविद्यालयपुरी, गोपालपुरा रोड, जयपुर-302018
फोन : 0141-2708910
'दांतिया हाउस', सी-22, इन्द्रपुरी, लालकोठी, जयपुर
फोन : 0141-2742467, 2741185
'रतन हाउस', सी-31, इन्द्रपुरी, लालकोठी, जयपुर

फर्म :
रतन फाईनेन्स
डी-13 बी, गोविन्दपुरी, हनुमान मन्दिर के पास, ज्योतिबा फूले कॉलेज रोड, स्वेज फार्म, जयपुर

Arun Kumar Jain
(M) 9414840461

Ramesh Chand Palliwal
(M) 9314878320

Himanshu Jain
(M) 9460067604

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री शिरीश जैन

(पुत्र स्व. श्री महेन्द्र कुमार जी जैन - श्रीमती सरला जैन, जोधपुर)

(जन्मतिथि : 24.06.1967) **(स्वर्गारोहण : 28.04.2021)**

हम सभी परिवारजन आपके असमय देवलोक गमन पर श्री जिनेन्द्र प्रभु से प्रार्थना करते हैं कि आपको अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें। आपका सेवाभावी, स्नेहमय, सद्व्यवहार तथा धर्म के प्रति आस्था, प्रेरणा दायक चरित्र हमारी स्मृति में सदैव अंकित रहेगा तथा मार्गदर्शन करता रहेगा। हम सभी आपको शत्-शत् नमन करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

श्रीमती ऋतु जैन *(पत्नी)*
आशिमा जैन *(पुत्री)*

भाई-भाभी :
पीयूष जैन-अर्पणा जैन
विनीश जैन-वंदना जैन

भतीजे, भतीजी :
श्रेया, सार्थक, विधि, वैन्या

बहन-बहनोई :
दीपाली जैन-मनोज जैन
मीनाली जैन-प्रेम सिंह मित्तल

भान्जे, भान्जी :
प्राची, उमंग, दिव्या, श्रेयश

ससुराल पक्ष :
ज्ञानचंद जैन *(ससुर)*
(पूर्व अध्यक्ष जयपुर शाखा, पूर्व अर्थमंत्री, अ.भा.प. जैन महासभा)
विजया जैन *(सास)*
मनीष कुमार जैन *(साढ़ू)*
(महाप्रबंधक, जे.के. लक्ष्मी सीमेंट)
अम्बिका जैन *(साली)*
यशोवर्धन जैन, मीमांशा जैन

चाचा-चाची :
श्रीमती शकुन्तला जैन
विरेन्द्र जैन-आभा जैन
रविन्द्र जैन-वीनू जैन
सुरेन्द्र जैन-सुमन जैन

बुआ-फूफाजी :
श्रीमती स्नेह लता जैन
सरोज लता जैन-सुभाष बंसल
श्रीमती पुष्प लता जैन
श्रीमती सन्तोष लता जैन
जनक लता जैन-एन.एम. सिंघवी
श्री अजय कुमार जैन

निवास : **फ्लेट नं. 28बी-द्वितीय, डी.डी.ए. एस.एफ.एस. फ्लेट्स, विकासपुरी, नई दिल्ली**
मोबाईल : 9873020671, 9810584745

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री महावीर प्रसाद जी जैन

(सुपुत्र स्व. श्री हरीशचन्द्र जी जैन)

(पुण्यतिथि : 21.5.2017)

स्व. ई. श्री मोहित कुमार जी जैन

(सुपुत्र स्व. श्री महावीर प्रसाद जी जैन)

(पुण्यतिथि : 9.8.2018)

हम आपको सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए
भगवान वीर से आपकी चिर आत्मीय शांति की प्रार्थना करते हैं।

श्रद्धावनत

श्रीमती मिथलेश जैन
(धर्मपत्नी)
डॉ. मेघा जैन-डॉ. पीयूष जैन
(पुत्री-दामाद)

श्रीमती मिथलेश जैन
(माँ)
डॉ. मेघा जैन-डॉ. पीयूष जैन
(बहन-बहनोई)

मोहित कुमार जैन ट्रस्ट (पंजि.)

ए/165, पालम एक्सटेंशन, सेक्टर 7, द्वारका, नई दिल्ली-110077
दूरभाष : 9599660709, 9599230509

श्री अशोक कुमार जी जैन (सेनि. हैडमास्टर) पुत्र स्व. श्री रिक्खी लाल जी जैन, जैन कॉलोनी, मंडावर का दि. 04.06.2021 को स्वर्गवास हो गया है। आप मिलनसार, धार्मिक व सरल स्वभाव के व्यक्ति थे।

श्री ललित जी जैन पुत्र स्व. श्री शिखर चन्द जी जैन, निवासी 321, सेक्टर 6डी, आवास विकास कॉलोनी, बोदला, आगरा का दि. 23.05.2021 को स्वर्गवास हो गया है। आप सरल स्वभाव, मिलनसार व धार्मिक व्यक्ति थे।

श्री पुष्पेन्द्र कुमार जी जैन पुत्र श्री राजेन्द्र प्रसाद जैन, निवासी 28/2, पीताम्बर गंज, रेलवे गंज, हरदोई, उ.प्र. का दिनांक 23.05.2021 को स्वर्गवास हो गया है। आप मिलनसार, धार्मिक व सरल स्वभाव के व्यक्ति थे।

श्री महेश चंद जी जैन (प्रधानाचार्य) पुत्र श्री प्रकाश चंद जैन, निवासी 69, स्कीम 8, एक्सटेंशन, अलवर का दिनांक 02.05.2021 को स्वर्गवास हो गया है। आप मिलनसार, धार्मिक व सरल स्वभाव के व्यक्ति थे।

श्री मनोज कुमार जी जैन (SBI), बी-216, सूर्य नगर का दिनांक 23.05.2021 को स्वर्गवास हो गया है। आप मिलनसार, धार्मिक व सरल स्वभाव के व्यक्ति थे।

श्रीमती मुन्नी देवी जी जैन धर्मपत्नी स्व. श्री मुन्नालाल जी जैन (मिढाकुर वाले) निवासी ज्योति नगर, आगरा का दिनांक 12.06.2021 को स्वर्गवास हो गया है। वे सरल स्वभावी, धर्म के प्रति श्रद्धा रखने वाली महिला थीं।

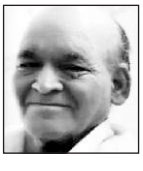

श्री निर्मल कुमार जी जैन पुत्र स्व. श्री मनोहर लाल जी जैन (अलवर वाले) निवासी 31, गायत्री नगर, सोडाला, जयपुर का दिनांक 23.04.2021 को स्वर्गवास हो गया है। आप मिलनसार, धार्मिक व सरल स्वभाव के व्यक्ति थे। आप मिलनसार, धार्मिक व सरल स्वभाव के व्यक्ति थे।

श्रीमती कौशल्या देवी जी जैन धर्मपत्नी स्व. श्री मिट्ठनलाल जी जैन (बरगमां वाले) निवासी सी-43, शंकर विहार, जगतपुरा रोड, जयपुर का दिनांक 31.05.2021 को स्वर्गवास हो गया है। वे सरल स्वभावी, धार्मिक, देव-शास्त्र गुरु के प्रति श्रद्धा रखने वाली महिला थीं।

श्रीमती लक्ष्मी जी जैन धर्मपत्नी श्री अनिल कुमार जैन (सेनि. आर.ए.एस.) निवासी 618, सूर्य नगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर का दिनांक 15.05.2021 को स्वर्गवास हो गया है। वे सरल स्वभावी, धार्मिक, देव-शास्त्र गुरु के प्रति श्रद्धा रखने वाली महिला थीं।

श्रीमती पुष्पा देवी जी जैन धर्मपत्नी स्व. श्री बाबूलाल जी जैन निवासी सेक्टर 7, बोदला, आगरा का दिनांक 07.05.2021 को 90 वर्ष की आयु में स्वर्गवास हो गया है। वे सरल स्वभावी, धार्मिक, देव-शास्त्र गुरु के प्रति श्रद्धा रखने वाली महिला थीं।

श्रीमती प्रेमवती जी जैन धर्मपत्नी स्व. श्री जगदीशचंद जी जैन निवासी 46, एस.बी.बी.जे. ऑफिसर्स कॉलोनी, मानसरोवर, जयपुर का दिनांक 12.06.2021 को स्वर्गवास हो गया है। वे सरल स्वभावी, धार्मिक, देव-शास्त्र गुरु के प्रति श्रद्धा रखने वाली महिला थीं।

श्री राजेन्द्र कुमार जी जैन पुत्र श्री प्रकाश चन्द्र जी जैन निवासी 29, अवकाश सोसाइटी, नवलक्खा बंगलो के पास, सांई बाबा मंदिर के पीछे, बापुनगर, अहमदाबाद का दिनांक 30.05.2021 को स्वर्गवास हो गया है। आप सरल स्वभाव, मिलनसार व धार्मिक व्यक्ति थे।

श्री प्रकाश चंद जी जैन दीवान निवासी 1/225, काला कुआं हाउसिंग बोर्ड, अलवर का दिनांक 04.06.2021 को स्वर्गवास हो गया है। आप मिलनसार, धार्मिक व सरल स्वभाव के व्यक्ति थे।

श्री उमेदी लाल जी जैन (खेड़ली वाले) पुत्र स्व. श्री धन्नालाल जैन निवासी ए-59, हसन खां मेवात नगर, अलवर का दिनांक 26.04.2021 को स्वर्गवास हो गया है। आप सरल स्वभाव, मिलनसार व धार्मिक व्यक्ति थे।

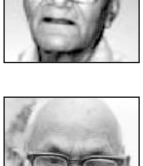

श्री सुभाषचंद जी जैन पुत्र स्व. श्री कपूरचन्द जी जैन (रामगढ़ वाले), 141, निर्माण नगर एबी, अजमेर रोड, जयपुर का दि. 23.05.2021 को स्वर्गवास हो गया है। आप सरल स्वभाव, मिलनसार व धार्मिक व्यक्ति थे।

श्रीमती सुशीला जी जैन धर्मपत्नी श्री श्रीपाल जैन, जैन मन्दिर के पास, हिण्डौन रोड, महवा का दि. 5.5.2021 को स्वर्गवास हो गया। वे सरल स्वभावी, विनम्र व धार्मिक महिला थीं।

श्रीमती चंद्ररेखा जी जैन धर्मपत्नी स्व. श्री जनेश्वर दास जी जैन निवासी 5174, बसंत रोड, पहाड़गंज, नई दिल्ली का दिनांक 30.04.2021 को 91 वर्ष की आयु में स्वर्गवास हो गया है। आप बहुत ही धार्मिक महिला थीं एवं सामाजिक कार्यों में बहुत योगदान करती थीं।

श्री शिरीष जी जैन पुत्र स्व. श्री महेन्द्र कुमार जी जैन (जोधपुर वाले) हाल निवासी 28बी-द्वितीय, डीडीए, एस.एफ.एस. फ्लेट्स, नई दिल्ली का आसामायिक निधन दिनांक 29.04.2021 को हो गया है। आप धार्मिक प्रवृत्ति के सहज, सरल एवं मिलनसार व्यक्ति थे।

श्रीमती कमला देवी जी जैन धर्मपत्नी श्री नेमीचन्द जैन, छावनी कोटा का स्वर्गवास हो गया है। वे बहुत ही सरल स्वभावी, मृदुभाषी, विनम्र, धार्मिक, दयावान, उच्च विचार वाली देव-शास्त्र गुरु के प्रति श्रद्धा रखने वाली महिला थीं।

श्रीमती आशा जी जैन धर्मपत्नी श्री सुभाष चन्द जी जैन, सुनील न्यूज एजेन्सी, कोटा जंक्शन का स्वर्गवास हो गया है। वे सरल स्वभावी, धार्मिक, देव-शास्त्र गुरु के प्रति श्रद्धा रखने वाली महिला थीं।

श्रीमती सरला देवी जी जैन धर्मपत्नी श्री माणक चन्द जी जैन, जनकपुरी, कोटा जंक्शन का स्वर्गवास हो गया है। वे सरल स्वभावी, धार्मिक, देव-शास्त्र गुरु के प्रति श्रद्धा रखने वाली महिला थीं।

श्री अजीत कुमार जी जैन (चीफ मैनेजर एस.बी.आई.) सुपुत्र श्री दुर्गाप्रसाद जी जैन (अलवर वाले), छावनी कोटा का स्वर्गवास हो गया है। वे सरल स्वभावी, विनम्र, तेजस्वी, दूरदर्शी, धार्मिक, देव-शास्त्र गुरु के प्रति श्रद्धा रखने वाले प्रतिभाशाली व्यक्तित्व के धनी थे।

श्री ओम प्रकाश जी जैन, बी.एम.एस. नगर, कोटा जंक्शन का स्वर्गवास हो गया है। वे सरल स्वभावी, विनम्र, तेजस्वी, दूरदर्शी, धार्मिक, देव-शास्त्र गुरु के प्रति श्रद्धा रखने वाले प्रतिभाशाली व्यक्तित्व के धनी थे।

श्री शिखर बाबू जी जैन (भूतपूर्व अध्यक्ष कोटा शाखा), डडवाडा, कोटा जंक्शन का स्वर्गवास हो गया है। वे सरल स्वभावी, विनम्र, तेजस्वी, दूरदर्शी, धार्मिक, देव-शास्त्र गुरु के प्रति श्रद्धा रखने वाले प्रतिभाशाली व्यक्तित्व के धनी थे।

श्री स्वरूप चन्द जी जैन, विवेकानन्द नगर, कोटा का स्वर्गवास हो गया है। वे सरल स्वभावी, विनम्र, तेजस्वी, दूरदर्शी, धार्मिक, देव-शास्त्र गुरु के प्रति श्रद्धा रखने वाले प्रतिभाशाली व्यक्तित्व के धनी थे।

श्रीमती पदमा जी जैन धर्मपत्नी श्री प्रकाश चन्द जी जैन, डडवाडा, कोटा जंक्शन का स्वर्गवास हो गया है। वे सरल स्वभावी, विनम्र, धार्मिक, देव-शास्त्र गुरु के प्रति श्रद्धा रखने वाली महिला थीं।

श्रीमती माया देवी जी जैन धर्मपत्नी श्री दुर्गा प्रसाद जी जैन, अलवर का स्वर्गवास हो गया है। वे सरल स्वभावी, विनम्र व धर्म के प्रति श्रद्धा रखने वाली महिला थीं।

श्री सतीश चन्द जी जैन पुत्र श्री जौहरी लाल जी जैन, स्कीम नं. 2, अलवर का स्वर्गवास हो गया है। वे सरल स्वभावी, विनम्र व धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे।

श्री रामवतार जी जैन (वैद्य), मौजपुर, अंबेडकर नगर, अलवर का स्वर्गवास हो गया है। वे सरल स्वभावी, विनम्र व धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे।

श्री राजाराम जी जैन (मानिकपुर, किरावली वाले), सुर्या नगर, अलवर का स्वर्गवास हो गया है। वे सरल स्वभावी, विनम्र व धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे।

डॉ. विनीता जी जैन धर्मपत्नी श्री संजय जैन, दिवान, बीच का मोहल्ला, अलवर का स्वर्गवास हो गया है। वे सरल स्वभावी, विनम्र व धर्म के प्रति श्रद्धा रखने वाली महिला थीं।

श्रीमती बेलू जी जैन धर्मपत्नी श्री राकेश जैन (जैन बुक स्टोर), होप सर्कस, अलवर का स्वर्गवास हो गया है। वे सरल स्वभावी, विनम्र व धर्म के प्रति श्रद्धा रखने वाली महिला थीं।

श्रीमती रेणू जी जैन धर्मपत्नी श्री संजय जैन, स्कीम नं. 10, अलवर का स्वर्गवास हो गया है। वे सरल स्वभावी, विनम्र व धर्म के प्रति श्रद्धा रखने वाली महिला थीं।

श्री रेवती प्रसाद जी जैन (बछामदी बाले), गंगापुर सिटी का दिनांक 02.05.2021 को स्वर्गवास हो गया। आप महासभा की गंगापुर सिटी शाखा के पूर्व मंत्री भी रहे। आप मिलनसार, धार्मिक व सरल स्वभाव के व्यक्ति थे।

श्रीमती राजकुमारी जी जैन धर्मपत्नी स्व. श्री बद्री प्रसाद जी जैन (पूर्व महामंत्री, श्री पल्लीवाल जैन सभा नई दिल्ली) का स्वर्गवास हो गया है। वे सरल स्वभावी, धार्मिक, देव-शास्त्र गुरु के प्रति श्रद्धा रखने वाली महिला थीं।

श्री मनोज जी जैन, अलीगढ़ जो कि अखिल भारतीय पल्लीवाल महासभा के केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य थे, का दिनांक 20.05.2021 को देवलोक गमन हो गया है। मनोज जी एक श्रेष्ठ व्यक्तित्व मृदुभाषी व समाजसेवी व्यक्तित्व से परिपूर्ण इंसान थे।

श्री त्रिलोक चंद जी जैन, मथुरा का आकस्मिक निधन हो गया है। श्री त्रिलोक जी मिलनसार, सेवाभावी एवं सामाजिक कार्यों में

सदैव अग्रणी रहते थे। आप ने वर्ष 2004 से 2008 तक अ.भा. पल्लीवाल जैन महासभा में कार्यकारिणी सदस्य रहते हुए केन्द्रीय विवाह संयोजक के पद का दायित्व बखूबी वहन किया था।

श्रीमती शकुंतला जी जैन (पूर्व अध्यक्ष, अ.भा.प. जैन महासभा महिला मंडल शाखा आगरा) धर्मपत्नी स्व. श्री बंगाली मल जी जैन (पूर्व राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अ.भा.प. जैन महासभा) निवासी 329, जयपुर हाउस, आगरा का दि. 28.05.2021 को स्वर्गवास हो गया है। वे सरल स्वभावी, धार्मिक, देव-शास्त्र गुरु के प्रति श्रद्धा रखने वाली महिला थीं।

श्रीमती मुन्नी देवी जी जैन धर्मपत्नी स्व. श्री प्रेमचंद जैन (सेवानिवृत्त स्टेशन मास्टर, अछनेरा) एवं माताजी श्री सुभाष चंद जैन, माईथान आगरा का दिनांक 16.04.2021 को 91 वर्ष की आयु में स्वर्गवास हो गया है। वे सरल स्वभावी, धर्म के प्रति श्रद्धा रखने वाली महिला थीं।

श्रीमती राखी जी जैन धर्मपत्नी श्री आदित्य जैन एवं पौत्रवधु स्व. श्री महावीर प्रसाद जी जैन, खतना रोड, जयपुर हाउस, आगरा का अल्प आयु में दिनांक 13.05.2021 को स्वर्गवास हो गया है। वे सरल स्वभावी, धार्मिक, देव-शास्त्र गुरु के प्रति श्रद्धा रखने वाली महिला थीं।

श्रीमती माया देवी जी जैन धर्मपत्नी श्री प्रकाश चंद जैन, मंडावर का स्वर्गवास दिनांक 26.05.2021 को स्वर्गवास हो गया है। वे सरल स्वभावी, धार्मिक, देव-शास्त्र गुरु के प्रति श्रद्धा रखने वाली महिला थीं।

श्री भुवनेश कुमार जी जैन पुत्र स्व. श्री सुमेर चंद्र जी जैन निवासी गोविन्द नगर, आमेर रोड, जयपुर का देवलोक गमन दिनांक 16.05.2021 को स्वर्गवास हो गया है। आप सरल स्वभाव, मिलनसार व धार्मिक व्यक्ति थे।

श्रीमती माया देवी जी जैन धर्मपत्नी स्व. श्री कपूरचंद जी जैन (पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अ.भा.प. जैन महासभा), 3बी, केशव कुंज, प्रताप नगर, आगरा का दिनांक 29.05.2021 को स्वर्गवास हो गया है। वे सरल स्वभावी, धर्म के प्रति श्रद्धा रखने वाली महिला थीं।

श्री नरेंद्र कुमार जी जैन पुत्र स्व. श्री अमीर चंद जी जैन (धनवाड़ा वाले) निवासी वर्धमान नगर, रूई की मंडी, शाहगंज, आगरा का दिनांक 12.05.2021 को स्वर्गवास हो गया है। आप मिलनसार, धार्मिक व सरल स्वभाव के व्यक्ति थे।

श्रीमती माया देवी जी जैन धर्मपत्नी श्री हरीश चंद जी जैन (धूलियागंज वाले) निवासी कला कुंज, आगरा का दिनांक 12.05.2021 को स्वर्गवास हो गया है। वे सरल स्वभावी, धार्मिक, देव-शास्त्र गुरु के प्रति श्रद्धा रखने वाली महिला थीं।

श्री शिवराम जी जैन (कुकथला वाले), आदर्श नगर, अर्जुन नगर, आगरा का दिनांक 28.05.2021 को स्वर्गवास हो गया है। आप सरल स्वभाव, मिलनसार व धार्मिक व्यक्ति थे।

श्री सुनील कुमार जी जैन पुत्र स्व. श्री अमीर चंद जी जैन (पूर्व सहमंत्री आगरा शाखा) बीएमजे कम्पाउंड, बोदला, आगरा का दिनांक 28.05.2021 को स्वर्गवास हो गया है। आप सरल स्वभाव, मिलनसार व धार्मिक व्यक्ति थे।

श्री गणेश जी जैन पुत्र स्व. श्री मानिक चंद जी जैन (सदर वन वाले) सेक्टर 3, आवास विकास कॉलोनी, सिकंदरा, आगरा का दिनांक 25.04.2021 को स्वर्गवास हो गया है। आप मिलनसार, धार्मिक व सरल स्वभाव के व्यक्ति थे।

श्री धर्मचंद जी जैन निवासी सेक्टर 4बी बोदला, आगरा का दिनांक 18.04.2021 को स्वर्गवास हो गया है। आप मिलनसार, धार्मिक व सरल स्वभाव के व्यक्ति थे।

श्री दिनेश चंद जी जैन पुत्र स्व. श्री भागचंद जी जैन (मुरैना वाले) निवासी सिकंदरा, आगरा का दिनांक 13.05.2021 को स्वर्गवास हो गया है। आप मिलनसार, धार्मिक व सरल स्वभाव के व्यक्ति थे।

श्रीमती शारदा जी जैन धर्मपत्नी श्री ओम प्रकाश जी जैन, निवासी जैन गली, सिकंदरा, आगरा का दिनांक 10.01.2021 को स्वर्गवास हो गया है। वे सरल स्वभावी, धार्मिक, देव-शास्त्र गुरु के प्रति श्रद्धा रखने वाली महिला थीं।

श्रीमती बबीता जी जैन धर्मपत्नी श्री अशोक कुमार जैन (रंग वाले) आगरा निवासी, वर्तमान निवास दिल्ली का अल्प आयु में दिनांक 08.03.2021 को स्वर्गवास हो गया है। वे सरल स्वभावी, धार्मिक, देव-शास्त्र गुरु के प्रति श्रद्धा रखने वाली महिला थीं।

श्री अरविन्द जी जैन (शिक्षा विभाग) पुत्र श्री किशन चन्द जी जैन, 123/245 अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर का दिनांक 05.05.2021 को स्वर्गवास हो गया है। आप मिलनसार, धार्मिक व सरल स्वभाव के व्यक्ति थे।

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा वीर प्रभु से दिवंगत आत्माओं की सद्गति की प्रार्थना करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित करती है।

परम पूज्य पिताजी व माताजी की
पुण्य स्मृति में

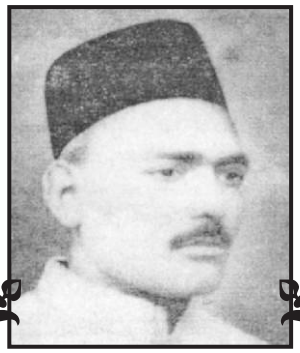

स्व. श्री किशन लाल जी जैन

स्व. श्रीमती प्रेमवती जैन

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधू :
रमेश चन्द जैन
निर्मल कुमार जैन-अन्जू जैन

पौत्र-पौत्रवधू :
सुनील कुमार जैन-कविता जैन
संजय कुमार जैन-बबीता जैन
कपिल जैन-प्रीति जैन
दीपक जैन-रीमा जैन
निशान्त जैन-ईशा जैन

पुत्री-दामाद :
सुशीला देवी जैन
सुमनलता जैन
पुष्पा जैन-सुभाष चन्द पालीवाल

प्रपौत्र-प्रपौत्र वधु :
रचित जैन-निशिका जैन,
ऋषभ जैन-चारू जैन

प्रपौत्र :
सिद्धेश जैन, यश जैन,
रिदिम जैन

प्रपौत्री :
रूची जैन

निवास :
21/165, दिल्ली वालों का मकान, धूलियागंज, आगरा
मोबाईल : 9319053527

भावभीनी श्रृद्धांजलि

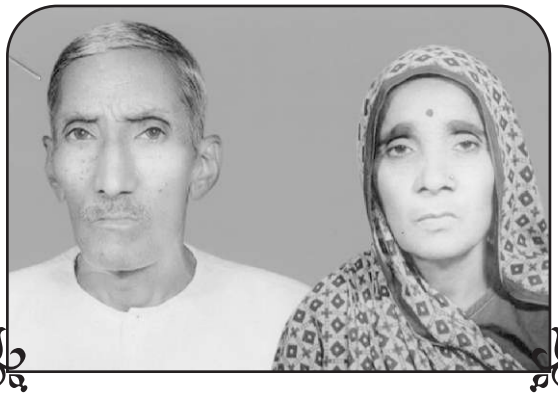

पूजनीय पिताजी स्व. श्री प्यारेलाल जी जैन चौधरी
श्रद्धेय माताजी स्व. श्रीमती असरफी देवी जी जैन
(मूल निवासी - मौजपुर, अलवर)

स्व. श्रीमती इन्दु जी जैन
(धर्मपत्नी श्री पदम चन्द जैन)
(स्वर्गवास : 30.12.2018)

हम सभी परिवार के सदस्य सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुये भगवान वीर से उनकी चिर आत्मीय शांति की प्रार्थना करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र :
पदम चन्द जैन

पौत्र-पौत्रवधु :
पारस जैन-रश्मि जैन,

पौत्री-दामाद :
डिम्पल-राजेश जैन
सिम्पल-नितिन जैन
प्रिती-उत्तम कोठारी

पड़पोत्री-पौत्र :
चेल्सी जैन-अक्षत जैन

पुत्र :
अनूप चन्द जैन

पौत्र-पौत्रवधु :
हेमन्त जैन-मधु जैन

पौत्री-दामाद :
सुनिता-सुनिल
अनिता-परवेश
विनिता-प्रताप

पड़पौत्र :
रोबीन-मानस

निवासः- बी-52, कीर्ति नगर, टोंक रोड, जयपुर
फोन : 0141-2706317, 9829066317, 9414055855

षष्टम पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजली

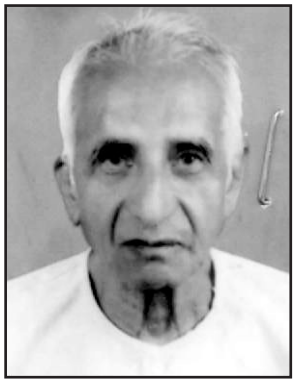

स्व. श्री पारसमल जैन (पैंची)

(25.12.1923 - 06-05-2015)

हम सभी परिवारजन सजल नेत्रों से श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं, आपका स्नेह, सद्व्यवहार, सेवाभावना एवं प्रेरणादायक चरित्र हमारा सदैव मार्गदर्शन करता रहेगा।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
राजेन्द्र-पुष्पा,
विनय-अलका,
सुरेन्द्र-आशा,
अनिल-बबीता

पौत्र-पौत्रवधु : राहुल-अभिनीति
प्रपौत्र : समर्थ जैन
पौत्री-पौत्रीदामाद : स्वाति-अंकित
धेवती : अनविका, इनाया

पुत्री-दामाद :
शकुन्तला-जगदीश चंद,
नवीनचंद

एवं समस्त राजोरिया परिवार

निवास :
सी-245, पंचशील नगर, माकड़ वाली रोड़, अजमेर- 305001
फोन नं. 9414526800, 9462918100

TRAFO
Power & Electricals Pvt. Ltd.

TRAFO POWER & ELECTRICALS PVT. LTD.

AN ISO 9001:2008 COMPANY

PRODUCTS

-POWER & DISTRIBUTION TRANSFORMERS

-PRESSED STEEL RADIATORS

-SPECIAL PURPOSE TRANSFORMERS

-PACKAGE SUBSTATION

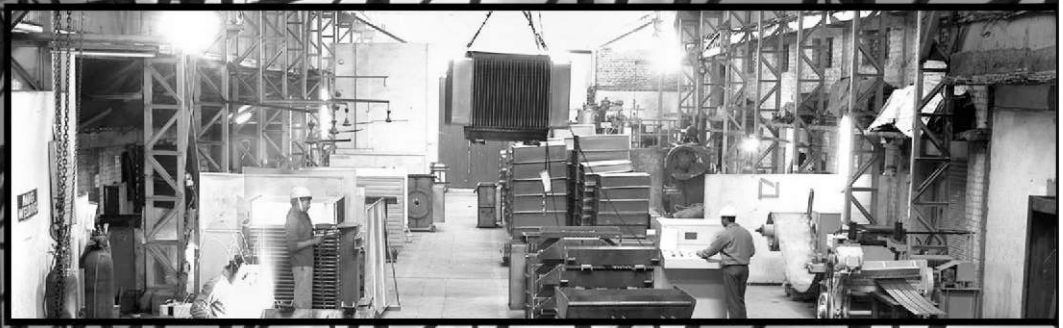

CONTACT

Trafo Power & Electricals Pvt. Ltd.
C-20 Site-C U.P.S.I.D.C., Industrial Area, Sikandra,
Agra, Uttar Pradesh - 282007, India

Phone No : +91-562-3290391
Fax : +91-562-2640388
E-mail : info@trafo.co.in

बुजुर्ग (बुढ़ापा जीवन)

◆◆*◆*◆*◆*◆*◆*◆*◆*◆*◆*◆*◆*◆*◆*◆*◆*◆*

बुजुर्ग अतीत के संस्कार हैं। बच्चे वर्तमान की भूमिका हैं। बुजुर्ग अपने अनुभवों से बच्चों के जीवन में रौशनी घोले और बरगद पौधा के समान छत्रछाया देकर पूरे घर को पल्लवित करें। परिवार के लोग बुजुर्गकी छत्र–छाया में इतने परिपक्व हो जाए कि कठिनाईयों से जूझना सीख सके। बुजुर्ग गुरू है–मित्र है– मार्ग दर्शक है, विवेकशील है समतादृष्टि है। इन सद्गुणों के माध्यम से बच्चों के कोपलों को उनकी कलियों पुष्पित कर सुसंस्कृति प्रदान करें, उज्ज्वल संस्कारों से सुसज्जित करें, घर को उपवन बनायें ताकि उसमें यश, गौरव, समृद्धि, सुख–शांति के पौधे लगावे और सींचे अपने कमल रूपी स्नेह के जल से। पूर्ण परिपक्व है तथा प्रभु के निकट पहुंचने की अन्तिम सीढ़ी है। ताकि भविष्य बुजुर्गो को याद करता रहे। बुढ़ापे में बाल सफेद हो जाते हैं सफेद बाल निवृति का प्रतीक है। बाल सफेद हो गए यानि भोग और भोजन पूरा हो गया, अर्थात स्वाद गया। अब तो नई यात्रा शुरु करो। प्रभु के रास्ते पर चले आओ। खुद समर्पित हो जाओ प्रभु के चरणों में जीओ और जीने का सच्चा उद्देश्य यही है। बुढ़ापा धन्य हो सार्थक हो आनन्दित हो ऐसे भाव जागृत करो, फिर कल्याण ही कल्याण है। बुढ़ापे को समस्या न समझे यह तो नैसर्गिक शारीरिक प्रक्रिया है। बुढ़ापे में अशान्ति उद्वेग, तनाव, असुरक्षा, परिग्रह आदि सभी उम्मीदों को अपने स्वाध्याय –सत्संग– प्रभु भजन– आत्म ध्यान से उन्मूलन करे दो और समर्पित कर दो अपने आपको प्रभु भक्ति में।

बुढ़ापा शान्ति का धाम है, जीवन की परीक्षा है बुढ़ापा न कोई रोग है न अभिशाप। बुढापा तो शान्ति मुक्ति और केवल्य का द्वार है। परिपक्वता की निशानी है। बुढ़ापा तो योग का द्वारा खोलने की चाबी है। भोग की चाबी के जंग लगने का चाबुक है। बुढापे की सूचना नहीं सोना बनाना है। यौवन हक है तो जरा हकीकत। हकीकत को हँसते हुए स्वीकारों। खुश रह कर अपनी खुशियां बिखेरिये फूलों की तरह, आम के गुच्छों की तरह, पेड़ पर कोंपलो की तरह। मुस्कुराते हुये हंसते हुए जिन्दगी गुजारिए। विश्वास भरा जीवन हो श्रेष्ठ संकल्प हो तो निश्चय ही आशाओं की फूल खिल कर रहेंगे।

यह कटु सत्य है कि अर्न्तरात्मा की प्रेरणाओं के पीछे ईश्वरीय प्रेरणाएं काम करती है। अपने आपके उत्साह, उमंग, उल्लास, उर्जा से भरिए। दुनियां की सारी खुशियां तुम्हारे– अपने लिए है। जीओ शान से शुरुआत मुस्काान से, आपकी मुस्कान ही तो आपकी पहचान है। सद्व्यवहार का आनन्द लीजिए जीवन प्रभु का प्रसाद है। इसका आनन्द लीजिए। निर्मल व्यवहार में प्रसन्नता के फूल खिलते हैं।

बुढ़ापे का संबंध तन की अपेक्षा मन के साथ अधिक होता है। मन में आशा– उत्साह– उमंग– उर्जा उल्लास हो तो वह अधिक क्रियाशील रह सकता है। महान दार्शनिक सुकरात 70 वर्ष की उम्र में मानव जाति के समक्ष अपने दर्शन का प्ररूपण किया करते थे। भगवान महावीर 72 की उम्र में 24 घंटे तक उपदेश और धर्म मार्ग का प्ररूपण करते थे। महावीर कहते हैं जिसके हृदय में प्रेम बीज है उसके मन में सत्य के पुष्प खिलते हैं। बुढ़ापा आत्मा में प्रवेश होने की उम्र हैं। आत्मा का स्वभाव ही आनन्द है। इसी आनन्द को प्राप्त कीजिए। आपकी मुस्कुराहट आपके वृद्धावस्था को ढक देगी। बुढ़ापे को खूब प्रेम मय बनाये। जीवन को प्रमोद से भर दें। प्रभु की भक्ति में थिरकें खिलखिलाते रहे, गुनगुनाते रहें–गाते रहें–झूमते नाचते रहें तो जीवन में खुश्बू ही खूश्बू है। जीवन में में हिम्मत है आशावादी है तो चमत्कार है। खुशी रहो और खुशियों का प्रसाद बांटों। कोई चाह नहीं कोई चिंता नहीं कोई अपना नहीं कोई पराया नहीं मैं तेरा नहीं तू मेरा नहीं।

जीवन तो प्रभु का प्रसाद है। बुढ़ापे में पुण्यार्जन कर लीजिए, आप दो कदम प्रभु की ओर बढ़ते जाईए। प्रभु चार कदम आपके करीब आते जायेंगे। आपका वानप्रस्थ जीवन है इसे प्रभु की भक्ति के रस से देव पुरुष बना लीजिए और बढ़ाते रहिए जीवन दर्पण को भक्ति रस में। कुछ समय का मौन ही जीवन को उल्लास–उत्साह– उमंग के रस में भर देगा और मिले भव तृष्णा से मुक्ति भी, इन्द्रिया विजय भी सामाजिक प्रतिष्ठा भी।

याद रखो ध्यान करने की लगन बडे भाग्य से मिलती है। देह केवल नश्वर ही नहीं है बल्कि नूर की तरह जगमग है। ईश्वर – महावीर – रब या अल्लाह के रहने का स्थान भी है। शरीर तो मंदिर है इसमें गलत चीजें न चढ़ावे। महावीर की वाणी मे आता है आत्म निन्दा प्रतिक्रमण है। अरे भव्य जीवन जीवन जितना सरल होगा प्रभु उतने ही निकट होंगे।

जिन्दगी एक आईना है–इस दर्पण में ताउम्र तक की कार्यप्रणाली – प्रदर्शन – आचार–विचार, व्यवहार भाषा आदि दिखाई देते हैं। जिसका अनुसरण आने वाली पीढियों पर होता है।

–छगनलाल जैन (हरसाना वाले)
से.नि. अध्यापक

वैवाहिकी

सूचना

1. पत्रिका में प्रकाशित वर/वधू की तलाश के अंतर्गत विवरण की सत्यता से सम्पादक अथवा पत्रिका का किसी भी प्रकार का दायित्व नहीं हैं। वर/वधू दोनों पक्ष पूर्ण जानकारी अपने स्तर से करने के बाद ही संबंध स्थापित करें।
2. पात्रों के विवरण में आयु के स्थान पर जन्मतिथि तथा आय चार/पांच अंको में, के स्थान पर वास्तविक आय लिखें।

नोट : प्रकाशन योग्य सामग्री एवं संबंध होने की सूचना पत्रिका संयोजक को प्रषित करें जिससे आगामी अंक में विज्ञापन का प्रकाशन किया जाये या न किया जाये।

वर की तलाश

★ **हैप्पी जैन** पुत्री श्री नरेश कुमार जैन (कजानीपुर वाले), जन्मतिथि 09.07. 1995 (सायं 12:10, बयाना), शिक्षा– एम.कॉम., जॉब– अकाउन्टेंट, जयपुर, गोत्र : स्वयं– राजौरिया, मामा– नगेसुरिया, संपर्क : सुभाष चौक, वामड़ा कॉलोनी, बयाना, भरतपुर, मो.: 9636573015, 9950978913 *(अप्रेल)*

★ **Deeksha Jain** (Anshik Manglik) D/o Sh. Rakesh Kumar Jain, DoB 07.08.1993 (at 10:15 am, Agra), Height- 5'-4", Education- B.Com., M.B.A., Job- Analyst in E.Y. Noida, Income- 5 LPa, Gotra : Self- Badaria, Mama- Chorbambar, Contact : 325, Jaipur House, Agra-02, Mob.: 9997039641, Ph.: 0562-4031148 *(March)*

★ **Dr. Aditi Jain** D/o Sh. Ashok Kumar Jain, DoB 25.04.1993 (at 7:40 PM, Alwar), Fair Complexion, Education- Bachelor of Dentistry (BDS), ESIC, Job- HOD Biology (NEET) at Progessive Minds, Delhi, Gotra : Self- Rajeshwari, Mama- Badwasia, Contact : B-437, Sainik Colony, Sector 49, Faridabad, Mob.: 9811031037, 9310031037 *(March)*

★ **Priyanka Jain** D/o Sh. Jagdish Prasad Jain, DoB 29.05.1991 (at 4:35 pm), Height 5'-5", Education- B.Tech (C.S), Occupation- Software Developer in Fiserv Noida, Income- 20.3 LPA, Gotra : Self- Chourbambar, Mama-Salavadiya, Contact : 403, Patrkar Colony, Near Manasarover, Jaipur, Mob.: 8302518811, 7976466712 *(March)*

★ **Nikita Jain** D/o Sh. Vijay Kumar Jain, DoB 13.11.1995 (at 03:23 pm, Faridabad), Height- 5'-5", Education- B.Com (Honors) From University of Delhi, Occupation- Working as Sales Officer With Apply Board India Pvt. Ltd. (Gurgaon), Salary 5 LPA, Contact : Faridabad, Gotra : Self- Barolia, Mama- Thakur, Mob.: 9818458389, 9873171878 *(March)*

★ **Priyanka Vora** D/o Sh. Rajinder Kumar Vora, DoB 04.12.1991, Height- 4'-9", Fair Complexion, Educational- Graduated in Bachelors in Computer Applications, Occupation- Works for the Government of India, Ministry of Communications, Gotra : Self- Vora, Mama- Chaur-bambaar, Contact : Block-H, Pocket-3, House No. 79, Sector-16, Rohini New Delhi, Mob.: 9654718697, 9268044107 *(March)*

★ **Soumya Jain** D/o Sh. Sunil Kumar Jain, DoB 01.09.1993 (at 5:27 am, Alwar), Height- 5'-3", Fair Color, Education- M.Com (A.B.S.T.), B. Ed., Gotra : Self- Chorbambar, Mama- Maimuda, Contact : 526, Lajpat Nagar, Scheme No.2, Alwar-301001, Mob.: 8005710768, 9461192798 *(March)*

★ **Neha Jain** D/o Sh. Mohitash Jain, DoB 03.01.2000 (at 12:25 pm, Agra), Height- 5'-3", Fair Complexion, Education M.Sc. (Previous), CCC (Computer Course), Gotra : Self- Kher, Mama- Janutharia, Contact : Sector 7, 537, Avas Vikas Colony, Bodla, Agra, Mob.: 9837314626, 9358980224, 9368728827 *(March)*

★ **Ruchi Jain** D/o Sh. Surendra Kumar Jain, DoB 01.12.1994 (at 04:13 am, Ahmedabad), Height- 165cm, Education B.E. in Power Electronics, Working as a Probationary Officer at Union Bank of India (PSB), Gotra : Self- Kherastiya, Mama- Athvarsiya, Contact : 7359281129, 9574308828, Email : surendrajain6064@gmail.com *(March)*

★ **Ena Jain** D/o Late Sh. Umesh Chand Jain, G.D./o Sh. Kastoor Chand Jain (Nangal Sahadi wale, Alwar), DoB 15.04.1995 (at 12:10 am, Abu Road), Height- 5'-6", Education B.Tech Jaipur, Job- Software Engineer Eurofins IT Solutions, Banglore, Gotra : Self- Lohkarodiya, Mama- Kotia, Contact : P.C. Jain, Opp. Mahavir Talkeej, 15, Mahavir Colony, Abu Road, Sirohi, Mob.: 7014562276, 8003893899, 9461633255, Email : prakash.chand.jain2@ sbi.co.in *(March)*

★ **Amisha Jain** D/o Sh. Ajay Kumar Jain, DoB 31.12.1995 (at 6:15 pm Agra), Height- 5'-2", Education- MBA (Finance) from DEI, Agra, Occupation- Working as Deputy Manager in Bank of Maharashtra (Govt.) Mumbai, Gotra : Self- Baroliya, Mama- Behteriya, Contact : 2, Mahendra Enclave, Nehru Nagar, Agra, Mob.: 9412158607 *(April)*

★ **Aruna Jain** D/o Sh. Dalchand Jain, DoB 23.5.1990, Height- 5feet, Education- B.Sc., Polytechnic, Job- J.En. RIICO Bharatpur, Gotra : Self- Chaudary, Mama- Barbasia, Contact : E-120, Ranjeet Nagar, Bharatpur, Mob.: 9929696969, 05644236422, 9828188470 *(April)*

★ **Khyati Jain** (Manglik) D/o Sh. Pramod Kumar Jain, DoB 10.02.1994, (at 7:05 am, Agra), Height- 5'-2", Education- BSc., Diploma in Urban Planning, D.EL.ED (BTC), Prabhakar in Classical Singing, Gotra : Chorbambar, Contact : Mughal road, Kamla Nagar, Agra, Mob.: 9411684569 *(April)*

★ **Shruti Jain** D/o Sh. Pankaj Jain, DoB 16.09.1995 (at 9:35 AM, Agra), Height- 5'-1", Education- MBA, Occupation- (HR) Hiyamee Pvt Ltd., Noida, Gotra : Self- Rajoriya, Mama- Salavadia, Contact : M/s. Pankaj Industries, Flat No. 305, IIIrd Floor, Aashirwad Residency, New Vijay Nagar Colony, Agra -282004, Mob.: 9319795225, 9258547100, Email : karanj580@gmail.com *(April)*

★ **Namita Jain** D/o Sh. Naresh Jain, DoB 09.07.1995 (at 12:10 PM), Height- 5'-4", Education- M.Com., Profession- Accountant, Gotra : Self- Rajoriya, Mama- Nangeswariya, Contact : Subhash Chowk, Bamda Colony, Bayana, Bharatpur, Mob.: 9636573015, 9950978913 *(April)*

★ **Shweta Jain** D/o Late Sh. Subhash Chandra Jain, DoB 25.07.1993 (at 06:58 pm, Alwar), Height 5'-3.5", Fair and Smart, Education- B.Tech (NIT Jalandhar), M.Tech (NIT Surathkal), Working in GE Vadodara, Pachage 8.5 LPA, Gotra : Self- Ladodiya, Mama- Nangeswariya, Contact : Poornima Jain, Alwar, Mob.: 7597738470, Email : scjpar@gmail.com *(June)*

★ **Pooja Jain** (Manglik) D/o Sh. Satish Kumar Jain, DoB 22.03.1996 (at 5:00 pm, Kota), Height 5'-4", Education- MA, D.E.L.E.D. (BSTC), Gotra : Self- Nageshwariya, Mama- Chodbambar, Contact : C/o Deepak Sr. Sec. School, Shivpura, Kota- 324009, Mob.: 9414317362, 9414225917 *(June)*

★ **Anita Jain** (Divorced without encumbrance) D/o Late Sh. Pramod Jain, DoB 13.01.1986 (at 3:32 am), Height 5'-3", Education- BCA, MCA, PGDB, Job- Dy. Manager, HDFC, Gotra : Self- Chaurambar, Mama- Ladhodia, Contact : Mother- 9511518454, Brother- 9712935184 *(June)*

★ **Anjali Jain** D/o Sh. Praveen Chand Jain, DoB 26.07.1993 (at 7:17 am, Hindaun City), Height 5'-3", Complexion Fair & Attractive, Education- MA, B.Ed., Gotra : Self- Bahattariya, Mama- Bayaniya, Contact : Jain Colony, New Mandi, Hindaun City, Mob.: 9460441798 *(June)*

वधू की तलाश

कृपया दहेज लोभी पत्रिका में प्रकाशनार्थ विज्ञापन न भेजें

★ **गौरव जैन** पुत्र स्व. श्री सुरेश चन्द जैन, उम्र 27 वर्ष, कद– 5'–7'', शिक्षा– बी.ए., व्यवसाय– स्वयं का जनरल स्टोर, आटा चक्की, खेती, आय– लगभग 4 लाख वार्षिक, गोत्र : स्वयं– चोरबम्बार, संपर्क : 7697239254 *(मार्च)*

★ **रिषभ जैन** पुत्र श्री प्रदीप कुमार जैन, जन्मतिथि 13.5.1995 (प्रातः 6 बजे), कद– 5'–6'', शिक्षा– पी.जी.डी.एम.बी.ए. फाइनेन्स, कार्यरत– रिजनल क्रेडिट हेड– आई.डी.एफ.सी. बैंक, जयपुर, गोत्र : स्वयं– जनुथरिया, मामा– चौरबम्बार, संपर्क : 9, भजन नगर, अजमेर रोड, ब्यावर, अजमेर, मो.: 9460312001, 9414866607, ईमेल : pinki586@gmail.com *(मार्च)*

★ **मोहित जैन** पुत्र श्री नरेंद्र कुमार जैन, जन्मतिथि 16.12.1992 (प्रातः 07.40, रावतभाटा, कोटा), कद 5'–8'', शिक्षा बी.टेक., एमबीए (फाइनेन्स), कार्यरत– जेनपैक्ट जयपुर, पैकेज 6 लाख वार्षिक, गोत्र : स्वयं– आमेश्वरी, मामा– माईमुण्डा, सम्पर्क : 9352243036, 9414668603 *(अप्रेल)*

★ **अमन जैन** पुत्र श्री अजीत कुमार जैन, जन्मतिथि 31.05.1994, कद– 5'–6'', शिक्षा– बी.टेक, कार्यरत– बैंक ऑफ बड़ौदा पी.ओ. (दिल्ली), गोत्र : स्वयं– बहत्तरिया, मामा– जनुथरिया, संपर्क : जैन मंदिर के पास, वर्धमान नगर, हिंडौन सिटी, जिला करौली, मो.: 9413182980, 8619432566 *(अप्रेल)*

★ **शुभम जैन** पुत्र श्री प्रवीण कुमार जैन (दिवर्या), जन्मतिथि 01.02.1993 (रात्रि 10:50, जयपुर), कद– 5'–5'', शिक्षा– बी.टेक (कम्प्युटर साईंस), व्यवसाय– आई.पी. इन्फो, यू.एस.ए. में इंजिनियर (पूणे में कार्यरत), आय– 32 लाख वार्षिक, गोत्र : स्वयं– दिवर्या, मामा– चौधरी, संपर्क : 255–ए, अमृत नगर, इस्कॉन रोड, जयपुर, मो.: 9785010028, 797688221 *(अप्रेल)*

★ **हनी जैन** पुत्र श्री अजय कुमार जैन, जन्मतिथि 23.02.1994, कद– 5'–8'', शिक्षा– बी.टेक (सिविल), एमबीए हैदराबाद, जॉब– एसेन्चर में कार्यरत, सीटीसी– 41 लाख वार्षिक, गोत्र : स्वयं– जनुथरिया, मामा– अठवर्षिया, संपर्क : 91/125, पटेल मार्ग, मानसरोवर, जयपुर, मो.: 9887032968, 9414052968 *(जून)*

★ **Akash Jain** S/o Sh. Dinesh Chand Jain DoB 03.11.1993 (at 09:05 PM, Rawatbhata), Height- 5'-9", Education B.Tech (Electrical), Occupation- Business (Bakery, Grocery Store), Gotra : Self- Khair, Mama- Kotiya, Contact : Bazar No. 2, Rawatbhata, Dist. Chittorgarh via Kota-323307, Mob.: 9928986959, 9001002456(whats app) *(March)*

★ **Mayank Jain** (Awaiting Divorce) S/o Sh. Ravindra Kumar Jain, DoB 15.08.1988 (at 6:20 AM, Agra), Height- 5'-8", Educational- Post Graduation from St. Jhons Colg. Agra, Occupation- Business, Gotra: Self- Badwasia, Mama- Nageshwaria, Contact : Flat No. 802, Paras Pearls Apartment, Khatena Road, Loha Mandi, Agra, Mob.: 9319103033, 9412257892 *(March)*

★ **Sovil Jain** (Manglik), S/o Sh. Dharam Chand Jain, DoB 01.05.1994, Height- 5'-9", Working as Junior Asstt. MACT (Raj. Govt), Gotra : Self- Bhartiya, Mama- Kotia, Contact : Vardhman Nagar, Hindaun, Mob.: 9460758378, 9460442094 *(March)*

★ **Aditya Jain** S/o Sh. Uttam Jain, DoB 12.10.90 (at 11:20 pm, Alwar), Height -5'-6", Education- B.Tech (ECE), M.Tech (Pursuing from BITS Pilani), Occupation- Senior Software Engineer- WatchGuard Technologies-Noida, Package- 16.76 LPA, Gotra : Self- Kashmeria, Mama- Choudhary, Contact : Janakpuri-II, Imli Phatak, Jaipur, Mob.: 9414405532 *(March)*

★ **Aditya Jain** S/o Sh. Sheetal Kumar Jain, DoB 25.12.1990 (at 1:00 AM, Agra), Height 5'-8", Education- B.Tech & P.G. Diploma in Banking, Occupation- Assistant Manager in Axis Bank, Income- 4.48 LPA, Gotra : Self- Bugala, Mama- Salavadia, Contact : House No. 150, Bhudara Bazar, Karauli, Mob.: 9460913709, 9461455353, 9413886798, Email : adijain19@gmail.com *(March)*

★ **Shubham Jain** S/o Sh. Rajendra Kumar Jain, DoB 11.12.1992 (at 8:54 PM, Bharatpur), Height 5'-6", Education- B.Tech (EC), Amity University, Jaipur, Occupation- Consultant in Atos-Syntel Ltd., Pune, Package-16 LPA, Gotra : Self- Divarya, Mama- Amiya, Contact : B-3, Ranjeet Nagar, Bharatpur, Mob.: 8452843745, 9414376416, Email : pnb.rkjain@gmail.com *(March)*

★ **Arihant (Nikhil) Jain** S/o Sh. Rajendra Jain, DoB 06.03.1994 (at 12:39pm, Morena), Height- 5'-3", Fair Complexion, Education- M.Sc., Occupation- Business (Jwellers), Gotra : Self- Bedhre, Mama- Chandpuriya, Contact : Rajendra Kumar Arihant Kumar Jain (Sarraf), Sarrafa Bazar, Morena (M.P.), Mob.: 9074301610, 9425750554 *(March)*

★ **Shubham Jain** S/o Sh. Sunil Kumar Jain, DoB 28.10.1993 (at 11:50 pm, Agra), Height 5'-8", Education B.Tech (EEE Delhi), Occupation- Software Engineer, Income 15 LPA, Gotra : Self- Salawadiya, Mama- Chandpuriya, Contact : C-3, Kedar Nagar, Shahganj, Agra, Mob.: 9837020651, 8077417805, Email : delta_agra@rediffmail.com *(March)*

★ **Mayank Jain** S/o Sh. Subhash Chand Jain, DoB 12.10.1993 (at 11:17 pm, Navgaon, Alwar), Fair Complexion, Height- 5'-10", Education B.Tech from Electrical Engineering, Occupation- Senior Software Engineer in Ernst & Young, Bangalore, India, Gotra : Self- Sripath, Mama- Kotia, Contact : House No. 8, Gupta Colony, Jawahar Nagar, Alwar-301001, Mob.: 9828227339, 9739748225, Email : subhashfsd@gmail.com, jain.shashank3189@gmail.com *(March)*

★ **Naveen Jain** S/o Sh. Vijay Kumar Jain, DoB 28.07.1994 (at 11:00 PM, Alwar), Height- 5'-9", Education- B.E. with Honors (Civil Engg 2011-15) from M.B.M. Engg College, Jodhpur, M.Tech Gold Medalist (Transportation Engg 2016-18) from MNIT Jaipur, Occupation- Central Govt. Junior Engineer in Military Engineer Services (MOD), Bhopal, Gotra : Self- Chorbambaar, Mama- Athvarsiyaa, Contact : H.No. 5, Janakpuri-B, Daudpur, Alwar, Mob.: 8003398898, Email : nvvj93@gmail.com *(March)*

★ **Sharad Jain** S/o Sh. M.M. Jain, DoB 07.02.1989 (at 1:10 am), Height- 5'-7", Education- MBA (Marketing), Job- Marketing Manager in Infeedo, Gurgaon, Package- 16+ LPA, Gotra : Self- Kotia, Mama- Shreepat, Contact : Paharganj, New Delhi, Mob.: 9971398320, 9811681949 *(March)*

★ **Mohit Jain** S/o Late Sh. Naveen Kumar Jain, DoB 09.08.1990 (at 6:22 AM), Height- 5'-9", Education- MBA (Marketing & Minor HR), Occupation- Business (Wholesale Mobile & Electronics Business), Gotra : Self- Gindodabaks, Mama- Barkolia, Contact : Nadbai, Bharatpur, Mob.: 9214965126, Email : mjain2279@gmail.com *(March)*

★ **Rahul Jain** S/o Sh. Ashok Kumar Jain, DoB 26.05.1993, Height- 5'-6", Education- B.Tech. (Electronics and Communication Engineering) from I.E.T. Alwar, Occupation- Branch Operation and Service Manager (Asstt. Branch Manager), AU Small Finance Bank, Malviya Nagar, Jaipur, Salary- 6 LPA, Gotra : Self- Aathvarshiya, Mama- Baroliya, Contact : 74-A, Rajendra Nagar, Niwaru Road, Jhotwara, Jaipur, Mob.: 9251269772, 8003275810, Email : rahug.jain8@gmail.com *(March)*

★ **Mohit Jain** S/o Sh. Vimal Kumar Jain, DoB 20.03.1994 (at 6:12 PM), Height- 5'-8", Education- MCA, Occupation- Branch Private Job (IT TEchnical Associate in British Telecom), Gotra : Self- Kotiya, Mama- Vijeshwari, Contact : RZ-132/2, Gali No. 4, Sadh Nagar, Palam Colony, New Delhi-110045, Mob.: 9818783172 *(March)*

★ **Prashant Kumar Jain** S/o Late Sh. Jai Prakash Jain, DoB 10.05.1987 (at 10:00 PM, Agra), Height- 5'-11", Education- MA (Sociology), Working as Purchase Manager in Real Estate Company at Agra, Gotra : Self- Salavadiya, Mama- Kashmeria, Contact : 99-A, Gayatri Vihar, Baipur Road, Sikandra, Agra, Mob.: 9319835795, 8439919999 *(March)*

★ **Himanshu Jain** S/o Sh. Manoj Mohan Jain, DoB 08.06.1994 (at 11:55 AM, Agra), Height- 5'-7", Education- Chartered Accountant, Anuj Plaza, Belanganj, Agra, Contact : Sector 6-C/612, Avas Vikas Colony, Agra, Mob.: 7060978292 *(March)*

★ **Ankur Jain** (Vinod) S/o Sh. Jagdish Prasad Jain, DoB 10.11.1990 (at 06:30 AM, Firozabad), Height- 5'-10", Fair Complexion, Education- M.Com., LLB (Pursuing), Dip. In Computer, Job- Accountant, LIC, Star Health Insurance and Army Hospital (Computer IT), Salary- 32,000/- per month, Gotra : Self- Shalawadiya, Mama- Mast Chaudhary, Contact : House No. 361, Jain Nagar, Khera, Saiyyad Wali Gali, Firozabad-283203, Mob.: 9411410575 *(March)*

★ **Nitin Jain** S/o Sh. Padam Chand Jain, DoB 17.06.1995 (at 02:45 AM), Height- 5'-7", Fair Complexion, Education- B.Sc. Computer Science, Computer Diploma, PGDCA Course, Occupation- Business, Gotra : Self- Vedya, Mama- Kher, Contact : Purani ji Main Road, Morena, Mob.: 6263104419, 9669771378 *(March)*

★ **Siddharth Jain** S/o Dr. Vimal Jain, DoB 12.12.1994, Height- 5'-11", Education- B.Tech. (Mechanical), Occupation- Software Engineer, Fidelity Investment, Banglore, Package 8.5 LPA, Gotra : Self- Athvarsia, Mama- Salavadiya, Contact : VHL-114, Vivekanand Nagar, Kota, Mob.: 9079156049 *(March)*

★ **Yash Kumar Jain** S/o Sh. Rajkumar Jain, DoB 25.05.1996, Height- 5'-6", Education- M.Com., PGDCA, Occupation- Moter Parts Business, Gotra : Contact : Shiv Shankar Colony, Near Govt. PG College, Karauli-322241, Mob.: 8104424645, 7742570454 *(March)*

★ **Manish Jain** S/o Sh. Satish Chand Jain (Bayana Wale), DoB 05.02.1989 (at 9:36 PM, Bayana, Distt Bharatpur), Height- 5'-5", Education- Diploma & B.Tech in Civil from Jaipur, Gotra : Self- Rajoria, Mama- Lohkirodia, Contact : A-95, First Floor, Shri Radha Puram, NH-2 Mathura, Mob.: 7500254444 *(April)*

★ **Ankit Palliwal** S/o Sh. Nirmal Jain, DoB 06.11.1988, Height- 5'-10", Education- M.Sc. in Applied Geographic Information System from National University of Singapore, M.Sc in Economics from Indian Institute of Technology Kanpur, Occupation- Manager, Central Office Union Bank of India , Mumbai, Gotra : Self- Ledoriya, Mama- Kotiya, Contact : 105/119, Vijay Path, Mansarovar, Jaipur, Mob.: 8696924329, 9532033922, Email : jain.kr.nirmal@gmail.com *(April)*

★ **Anshul Jain** S/o Sh. Pushpendra Jain, DoB 14.03.1994 (at 9:12am, Agra), Height- 5'-11", Education- B.Com, Occupation- Business, Gotra : Self- Salawadia, Mother- Maimuda, Contact : Jain Readymade and Book Store, Midhakur, Agra, Contact : 9410006648, 8445463430 *(April)*

★ **Sidhant Jain** S/o Sh. Hemant Kumar Jain, DoB 15.12.1993 (at 7:59 pm, Delhi), Height- 5'-9", Education- B.Pharma (Delhi), MBA (Pharma), Occupation- Working with a reputed Pharma Co., Bombay, Gotra : Self- Barolia, Mama- Angras, Contact : Motibagh, New Delhi-21, Mob.: 9810190295, 9811428964, Email : hemantkumarjain@ymail.com *(April)*

★ **Rishi Jain** S/o Sh. P.K. Jain, DoB 22.01.1991 (at 1:03 pm), Height- 5'-7", Education- B.Com., Occupation- Xerox, Computer and All Type of Printing, Gotra : Budelwal, Contact : 60, Saraogyan, Bhimsen Mandir Road, Mainpuri-205001 (UP), Mob.: 9411062043, 7417183783, 9634425990 *(April)*

★ **Tarun Kumar Jain** S/o Sh. M.C. Jain, DoB 30.09.1992 (at 6:45 am, Alwar), Job- Govt. Job (Nursing Superintendent) Railway (NCR) Allahabad, Gotra : Self- Bhadwasiya, Mama- Chorbambar, Contact : Kala Kaua, Alwar-301001, Mob.: 9413739164, 8290253810 *(April)*

★ **Deepak Jain** S/o Sh. Jinesh Jain, DoB 01.05.1986 (at 11:30 am, Rohtak), Height- 5'-8", Education- MBA (Retail Management), Job- Working in Future Retail Limited as Warehouse Manager (SCM) at Noida, CTC Rs. 6 Lac p.a., Gotra : Self- Goel, Mama-Garg, Contact : Khasra No. 871, B Block, Gali No. 24, Phase 1, Road No. 6, Near Kattu shyam Mandir, Shyam Vihar, New Delhi-110043, Mob.: 9210724883, 9268447220 *(April)*

★ **Shreyans Jain** S/o Sh. Bharat Jain, DoB 02.03.1993, Height- 171 cm., Education- B.Tech. IIT Mumbai, Job- Working in Hong Kong in Flow Traders Pte. Ltd., Annual Income above 3.5 crore,

Contact : 9414490586, Email : bjain1201@gmail.com *(April)*

★ **Siddharth Jain** S/o Sh. Surendra Kumar Jain, DoB 05.04.1993 (at 2:20 am, Aligarh), Height- 5'-9", Education- B.Tech. (Electronics & Telecomunication), Job- Consultant at capgemini India Pvt. Ltd. Bangalore, Package 12 LPA, Gotra : Self- Saketia, Mama- Kathotia, Contact : B-4, First Floor, Arihant Apartment, Khirni Gate, Police Chowki, Near Jain Mandir, Aligarh, Mob.: 9411466838, 8433217092, Email : 05siddhartjain@gmail.com *(April)*

★ **Ishan Jain** S/o Sh. Satendra Kumar Jain, DoB 24.11.1993 (at 3:00 pm, Alwar), Height- 5'-9", Education- B.Tech., MBA, Job- Purchase Manager in Groffer, Gotra : Self- Maimunda, Mama- Kasmiriya, Contact : 4/158, Kala Kua Housing Board, Alwar, Mob.: 9460600748, 9460290624 *(April)*

★ **Saurabh Jain** S/o Sh. Sudhir Jain, DoB 3.11.1989 (at 10:15 AM, Jaipur), Height 6ft., Education- B.Tech. in Information Technology, Working in UST Global, Package Rs.12 LPA, Gotra : Self- Bayaniya, Mama- Salavdiya, Contact : S-37, Vasundhara Colony, Jaipur, Mob.: 9414068656, 8955170916, Email : sudhirjain0@gmail.com *(June)*

★ **Siddharth Jain** S/o Sh. Babu Lal Jain, DoB 24.05.1992 (at 08:00 PM, Agra), Height- 5'7", Education- B.Tech, Occupation- Manager in Canara Bank, Gandhinagar, Gujarat, Package 8-10 LPA, Gotra : Self- Kotiya, Mama- Deveriya, Contact : 13, Indra Colony, Shahaganj, Agra, Mob.: 9897848561, 0562-4032889 *(June)*

★ **Abhiyank Jain,** S/o Sh. Rajesh Jain, DoB 14.11.1989, Height 5'- 8", Education- BCA, RedHat Certified System Engineer and Administratior, Cisco Certified Network Associate (USA), Occupation- Working as Technical Support Engineer at Motisons Jewellers, Jaipur, Income 4 LPA, Gotra : Self- Ledoriya, Mama- Chandpuriya, Contact : Swaroop Chand Jain, 962, Kissan Marg, Barkat Nagar, Tonk Phatak, Jaipur, Mob.: 9351537837-Rajesh Jain *(June)*

★ **Tarun Jain** (Manglik), DoB 02.05.1989 (at 09:05 am, Gangapur City), Education- B.Tech (Coumptar & Science), Profession- Self Business in Kota (Patanjali Store), Income 3.5 to 3.75 Lac Per Year, Contact : Sh. Ravindra Kumar Jain, 202, Manak Bhawan, Janakpuri, Mala Road, Kota Jn., Mob.: 9413276409 *(June)*

★ **Rahul Jain** (Divorced) S/o Sh. Roopchand Jain, DoB 24.02.1987, Height- 5'-10", Education- B.Tech. (Electronics), M.Tech. (VLSI), Occupation- Director at Grocient (Software Company), Founder & Director at CSI Project Jaipur, Gotra : Self- Baderia, Mama- Shripath, Income 10-12 LPA, Contact : 182/27, Pratap Nagar, Jaipur, Mob.: 9782121890, 9887422417 *(June)*

★ **Dr. Anudeep Jain** S/o Sh. Anuj Kumar Jain, DoB 13.09.1992 (at Ajmer), Height- 5'-10", Education- MBBS from JLN Govt. Medical College, Ajmer, Pursuing PG ENT 2nd year from SSG Govt. Medical College, Vadodara, Gujarat, Gotra : Self- Ambia, Mama- Kotia, Contact : "Harsh Villa", Kokil Kunj, Palbeechla, Ajmer, Mob.: 9530292776, 9414004476, 9509968689 *(June)*

★ **Kshitij Jain** S/o Sh. Satish Chand Jain, DoB 25.10.1989 (at 06:45 AM, Delhi), Height 5'-11", Education- MCA,Working in an IT MNC - Noida, Salary Rs. 15 LPA, Gotra : Self- Vairashtak, Mama- Januthariya, Contact : Flat No. 612, Tower C, Gaur Sports Wood, Sector 79, Noida, Mob.: 9871981382, 9650334767, Email : sjainchand@gmail.com *(June)*

★ **Samay Jain** (Parshav) S/o Sh. Praveen Kumar Jain, DoB 25.07.1993 (at 10:05 am, Ajmer), Height 5'-8", Education- B.Tech (IIT Kharagpur), Occupation- Product Manager in Gojek Banglore, Package 22-25 LPA, Gotra : Self- Katonia, Mama- Chenia, Contact : 9414709120, Email : jainpk2001@gmail.com *(June)*

★ **Karan Jain** S/o Sh. Tikam Chand Jain, DoB 24.01.1994 (at 7:58 pm, Alwar), Education- B.Com., PG Diploma in Banking & Finance, Job- Relationship Manager in ICICI Bank Alwar, Gotra : Self- Maimuda, Mama- Kalonia, Contact : 316, Arya Nagar, Alwar (Rajasthan), Mob.: 9414367669, 7726884348 *(June)*

★ **Arihant Jain** S/o Sh. Satish Kumar Jain, DoB 17.11.1992 (at Kota), Height 5'-4", Education- BA, ITI (Electrician) from Jodhpur, RS-CIT, Occupation- Business (Mfg. of Paper Cup Products), Gotra : Self- Nageshwariya, Mama- Chodbambar, Contact : C/o Deepak Sr. Sec. School, Shivpura, Kota-324009, Mob.: 9414317362, 9414225917 *(June)*

★ **Sohil Jain** S/o Sh. Yogesh Kumar Jain, DoB 18.06.1992 (at 12:25 pm, Bharatpur), Height 6Ft., Education- B.Com., MBA (Finance), Occupation- Commercial Officer in MNC, Income 5 LPA, Gotra : Self- Muda, Mama- Chaurbabar, Contact : WZ-169, B/2 Lajwanti Garden, New Delhi-110046, Mob.: 9879111728 *(June)*

★ **Sambhav Jain** S/o Sh. Yatendra Kumar Jain, DoB 14.02.1994 (at 8:30 am), Height 5'-7", Education- MBA (Marketing), Working in Muthoot Fincorp Ltd. Agra, Gotra : Self- Kashmiriya, Mama- Rajoriya, Contact : 1, Parasnath Colony,

Near Asopa Hospital, Gailana Road, Agra, Mob.: 9719017289, 8477028356, Email : sambhavjain194@gmail.com *(June)*

★ **Sheetal Kumar Jain** S/o Late Sh. Prakash Chand Jain, DoB 15.11.1992, Height 5'-5", Education- M.Com., Job- Ware House Supervisor Reliance Jio, Gotra : Self- Kotiya, Mama- Chiliya, Contact : Nehar Road, Opp. Rewa Mill, Gangapur City, Swaimadhour, Mob.: 8385836241, Email : jsheetal689@gmail.com *(June)*

★ **Adv. Vivek Jain** S/o Sh. Trilok Chand Jain, DoB 30.09.1987, Height 5'-10", Education- Bachelor of Arts (Kota University), Bachelor of Law (Taxation) (University of Raj.), Bachelor of Journalism & Mass Communication, Profession- Working as Income tax & GST Consultant, Gotra : Self- Bahattariya, Mama- Bayaniya, Contact : T.C. Jain & Associates, Behind State Bank of India, Station Road, Hindaun City, Dist. Karauli-322230, Mob.: 94131-82164, 93521-69379 *(July)*

★ **Bhupesh Kumar Jain** S/o Sh. Vimal Chand Jain, DoB 17.09.1991 (at 4:55 am, Alwar), Height 5'-8", Education B.Tech (ECE), RS-CIT, Job- Junior Associate SBI Bank Bhavnagar Gujarat), Gotra : Self- Mastang Dangiya chaudhary, Mama- Baroliya, Contact : VPO Barodakan (Laxmangarh), Dist. Alwar-321607, Mob.: 9413585389, 9079754722 *(June)*

★ **Ashish Jain** S/o Late Sh. Pawan Kumar Jain, DoB 01.04.1990 (at 1:55 PM, Kota), Height 5'-5½", Education- B.Tech. (Civil), Occupation- Project Engineer in a renowned Construction Co. at Daman, Income-7.30 LPA, Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Kathumaria, Contact : 36, Basant Vihar Special, Behind Modi College, Kota-324009, Mob.: 9829242662, 7742736669, Email : pawankumarjain56@yahoo.com, pawan42662@gmail.com *(June)*

H **Sharad Jain** S/o Sh. M.M. Jain, DoB 07.02.1989 (at 1:10 am), Height 5'-7", Education- MBA (Marketing), Occupation- Marketing Manager in Infeedo (Gurgaon), Package- 16+ LPA, Gotra : Self- Kotia, Mama- Shreepat, Contact : Paharganj, New Delhi, Mob.: 9971398320, 9811681949 *(June)*

★ **Akash Palliwal (Sunny)** S/o Sh. Anil Kumar Palliwal, DoB 10.07.1992, Height 5'-8", Education- B.Tech. (Electrical Engg.), Occupation- Custom Inspector / G.S.T. [Ahmedabad (Gujrat)], Gotra : Self- Kotia, Mama- Nangesuria, Contact : Sh. Anil Kumar Palliwal, Rewa Mill, Nahar Road, Gangapur City-322201 (Raj.),Mob.: 9983629729 *(June)*

★ **Aditya Jain,** S/o Sh. Mukesh Chand Jain "Bhagat", DoB 04.02.1996 (at 7:35 am, Agra), Height- 5'-11", Education- B.Com. (Accounts & Law Group), Occupation- Business of Copper Wire Trading, Income- 6 LPA, Gotra : Self- Maimuda, Mama- Kher, Contact : 34, Kalakunj, Bodla, Agra, (M) 987001213, 9411045129 *(June)*

★ **Abhishek Jain** S/o Sh. Mahesh Chand Jain, DoB 08.11.1988 (at 11:17 pm), Height 6'-1", Education- B.Com, M.Com (ABST), MBA (Finance), CA Final (Pursing), Occupation- Working as Credit Manager in AU Small Finance Bank Ltd., Jaipur, Income- 4.90 LPA, Gotra : Self- Baroliya, Mama- Sangarwasi, Contact : B-262 Hari Marg, Malviya Nagar, Jaipur-302017, Mob.: 9414044422, 9414775486, Email : abhijn8@gmail.com *(June)*

★ **Kushal Jain** S/o Sh. Vinod Kumar Jain, DoB 23.12.1991 (at 7:50 am), Height 5'-8", Education- B.Tech (IT), Job- Application Module Lead at Telus International Pvt. Ltd., Noida, Gotra : Self- Kotia, Mama- Garg, Contact : 29, Prem Anand Kunj Brij Bihar Colony, Kamla Nagar, Agra, Mob.: 9897717596, 6395524546, Email : vinodkumarjainagra@gmail.com, kushal.jain63@gmail.com *(June)*

★ **Anurag Jain** (Manglik) S/o Sh. Arvind Kumar Jain, DoB 11.04.1994 (at 05:39 pm, Alwar), Height 5'-6", Education- B.Tech (Civil), Occupation- Technical Officer at Udaipur Cement Works Ltd., Alwar, Gotra : Self- Maleshwaria, Mama- Chandpuria, Contact : Thakar Wala Kuan, Near Police Line, Alwar, Mob.: 9252940625, 7568704495 *(June)*

★ **Manoj Kumar Jain** S/o Sh. Mahesh Chand Jain, DoB 01.12.1989 (at Bhaisa), Height 5'-6", Education- Graduation & ITI, Occupation- Business (Jain Building Material, Jain Kirana Store), Income 5 LPA, Gotra : Self- Badwasiya, Mama- Belanwasiya, Contact : VPO Bhaisa, Tehsil Todabhim, Dist. Karauli, Mob.: 8949492270, 9784900903 *(June)*

★ **Himanshu Jain** S/o Sh. Ram Niwas Jain, DoB 23.11.1995, Height 5'-8", Education- B.Tech (Electrical), Occupation- Owner of Anand Rubber Industry, Bagru, RIICO Jaipur, Gotra : Self- Bahatariya, Mama- Vaid Vahameria, Contact : E-13, Mohan Nagar, Hindaun City, Mob.: 9460913052, 9664112675 *(June)*

★ **Rahul Jain** S/o Sh. S.C. Jain, DoB 29.01.1981 (at 10:20 am, Agra), Height 5'-9", Education- Graduate, LLB, Occupation- Lawyer, Practice in Civil Court, Agra & Panel Advocate of Banks, Income 30,000 per month, Gotra : Self- Chorbambar, Mama- Javeria, Contact : 18/260, Munni Bhawan, Maithan, Agra-282003, Mob.: 9319821191, 8979247501, 0562-2620070 *(June)*

भक्ति पथ में अहंकार सबसे बड़ा शत्रु

एक बार कालिदास को प्यास लगी थी तो एक स्त्री से बोले– माते पानी पिला दीजिए बड़ा पुण्य होगा।

स्त्री बोली– बेटा मैं तुम्हें जानती नहीं, अपना परिचय दो। मैं अवश्य पानी पिला दूंगी।

कालीदास ने कहा– मैं पथिक हूँ, कृपया पानी पिला दें।

स्त्री बोली– तुम पथिक कैसे हो सकते हो, पथिक तो केवल दो ही हैं सूर्य व चन्द्रमा, जो कभी रुकते नहीं, हमेशा चलते रहते हैं। तुम इनमें से कौन हो सत्य बताओ।

कालिदास ने कहा– मैं मेहमान हूँ, कृपया पानी पिला दें।

स्त्री बोली– तुम मेहमान कैसे हो सकते हो? संसार में दो ही मेहमान हैं। पहला धन और दूसरा यौवन। इन्हें जाने में समय नहीं लगता। सत्य बताओ कौन हो तुम?

अब तक के सारे तर्क से पराजित हताश तो हो चुके कालिदास बोले– मैं सहनशील हूं। अब आप पानी पिला दें।

स्त्री ने कहा– नहीं, सहनशील तो दो ही हैं। पहली, धरती जो पापी-पुण्यात्मा सबका बोझ सहती है। उसकी छाती चीरकर बीज बो देने से भी अनाज के भंडार देती है, दूसरा, पेड़ जिनको पत्थर मारो फिर भी मीठे फल देता हैं। तुम सहनशील नहीं। सच बताओ तुम कौन हो?

कालिदास लगभग मूर्च्छा की स्थिति में आ गए और तर्क-वितर्क से झल्लाकर बोले– मैं हठी हूँ।

स्त्री बोली– फिर असत्य, हठी तो दो ही हैं- पहला नख और दूसरे केश, कितना भी काटो बार-बार निकल आते हैं। सत्य कहें ब्राह्मण कौन हैं आप?

पूरी तरह अपमानित और पराजित हो चुके कालिदास ने कहा– फिर तो मैं मूर्ख ही हूँ।

स्त्री ने कहा– नहीं, तुम मूर्ख कैसे हो सकते हो। मूर्ख दो ही हैं। पहला, राजा जो बिना योग्यता के भी सब पर शासन करता है, और दूसरा दरबारी पंडित, जो राजा को प्रसन्न करने के लिए ग़लत बात पर भी तर्क करके उसको सही सिद्ध करने की चेष्टा करता है।

कुछ बोल न सकने की स्थिति में कालिदास वृद्धा के पैर पर गिर पड़े और पानी की याचना में गिड़गिड़ाने लगे।

वृद्धा ने कहा– उठो वत्स!

आवाज़ सुनकर कालिदास ने ऊपर देखा तो साक्षात माता सरस्वती वहां खड़ी थी, कालिदास पुनः नतमस्तक हो गए।

माता ने कहा– शिक्षा से ज्ञान आता है न कि अहंकार। तूने शिक्षा के बल पर प्राप्त मान और प्रतिष्ठा को ही अपनी उपलब्धि मान लिया और अहंकार कर बैठे इसलिए मुझे तुम्हारे चक्षु खोलने के लिए ये स्वांग करना पड़ा।

कालिदास को अपनी गलती समझ में आ गई और भरपेट पानी पीकर वे आगे चल पड़े।

शिक्षा– विद्वत्ता पर कभी घमण्ड न करें, यह भी नहीं सोचे कि मैं राष्ट्रीय संत या अंतर्राष्ट्रीय संत हूं। घमण्ड- विद्वत्ता को नष्ट कर देता है। धन, प्रतिष्ठा, प्रसिद्धि, मान-सम्मान भी मानव को पूर्ण रूप से पतित कर देता है। इसलिए इस अंधकार रूपी अहंकार से बचें।

शोक संवेदना

श्रीमती शारदा देवी जी जैन धर्मपत्नी स्व. श्री सुमेर चन्द जी जैन एवं माताजी स्व. श्री अमरीश जी जैन (अजमेर वाले) 13, रूप नगर प्रथम, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर का दिनांक 15.04.2021 को स्वर्गवास हो गया है। वे मिलनसार, सरल स्वभावी व धार्मिक महिला थीं।

श्री भुवनेश जी जैन पुत्र श्री हुकमचन्द जी जैन (करई भरतपुर वाले), प्रताप नगर, जयपुर का दिनांक 25.04.2021 को स्वर्गवास हो गया है। वे मिलनसार, धार्मिक व सरल स्वभाव के व्यक्ति थे।

श्री रतन लाल जी जैन (कंजौली वाले) निवारू रोड, झोटवाड़ा, जयपुर का दिनांक 06.05.2021 को स्वर्गवास हो गया है। वे मिलनसार, धार्मिक व सरल स्वभाव के व्यक्ति थे।

श्रीमती आरती जी जैन धर्मपत्नी श्री नवनीत जैन एवं पुत्रवधु श्री रमेश चन्द जैन (कंजौली वाले) हाल निवासी सोजत सिटी (पाली) का दिनांक 27.04.2021 को स्वर्गवास हो गया है। वे मिलनसार, सरल स्वभावी व धार्मिक महिला थीं।

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा वीर प्रभु से दिवंगत आत्माओं की सद्गति की प्रार्थना करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित करती है।

भावभीनी श्रद्धांजलि

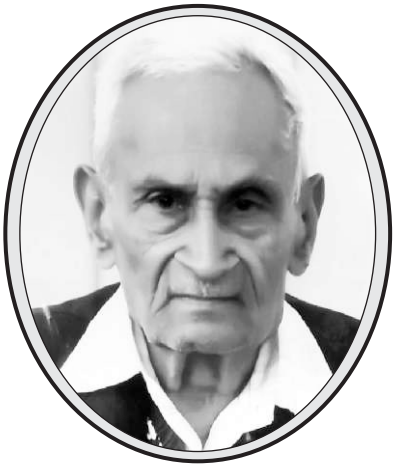

स्व. श्री विमल चन्द्र जी पल्लीवाल (जैन)

(स्वर्गवास : 27 अप्रेल 2021)

हम सभी परिवारजन आपको शत्-शत् नमन एवं स्मरण करते हुए अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

श्रीमती शोभा देवी जैन *(पत्नी)*

पुत्र-पुत्रवधु :
वीरेन्द्र कुमार-सुषमा जैन
अनिल कुमार-मन्जु जैन
पौत्र :
आशीष, हर्ष जैन
पौत्री-दामाद :
नेहा-रघुकान्त जैन
भूमिका-भार्गव जैन

कोमल, दीही, दर्श जैन

पुत्री-दामाद :
आभा-नरेन्द्र कुमार जैन, *एडवोकेट*
अनिता जैन-प्रवीण जैन
दोहिती-जवाई :
डॉ. दिपाली-डॉ. हिमांशु जैन
ई. अंकिता- हिमांशु जैन

निवास :
2-क-28, हिरणमगरी, सेक्टर 5, उदयपुर (राज.)
मो.: 9352581769, 9462191766

Export Award Winners
ACHIEVED **100%** GROWTH IN A SINGLE YEAR

KOTSONS

POWER & DISTRIBUTION
TRANSFORMERS

भावभीनी श्रद्धांजलि

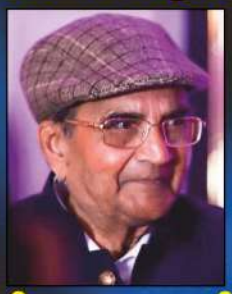

स्व. श्री मलूक चन्द जी जैन
(27.11.1929 - 29.04.2021)
आपका प्रेरणामय जीवन हमारे लिए सदैव पथ प्रदर्शक रहेगा।

KOTSONS PVT. LTD.
(AN ISO 9001 : 2015 & ISO 14001 : 2015 CERTIFIED COMPANY)

Head Office and Unit-I
Alwar : 217A, 218 to 220 & 230A MIA,
Desula, Alwar-301030
Rajasthan, INDIA
Tel.: +91-144-2881210, 2881211
Email : kotsons@kotsons.com
Unit-II
Agra : C-21, U.P.S.I.D.C., Site-C,
Sikandra, Agra-282007,
U.P., INDIA
Tel.: +91-562-2641422, 264-1675
Email : kotsons@kotsons.com
Registered Office :
New Delhi : A-208 IInd Floor,
R.G. City Centre, Motia Khan,
Pahar Ganj, New Delhi-110055, INDIA
Tel.: +91-011-43537540
Email : kotsons@kotsons.com

DNV
Accredited by the RvA
ISO 9001 QUALITY CERTIFIED
CERTIFICATE No. QSC-3360

OHSAS 45001 : 2018

TRANSFORMING ELECTRICITY
EMPOWERING WORLD

RNI NO. RAJHIN/2012/47438 Postal Registration No. JAIPUR CITY/434/2019-21

RERA Registration No.
RAJ/P/2019/1054
www.rera.rajasthan.gov.in

Pearl®
Build Trust & Loyalty

Your perfect home is now
at a landmark address.

Pearl
FORTUNE
3 BHK Boutique Apartments

16 Smart Home 3 BHK Vastu Friendly | Site : B-138, Mangal Marg, Bapu Nagar, Jaipur

Pearl®
Build Trust & Loyalty

Pearl India Buildhome (P) Ltd.
"Pearl Suryavanshi", 401, A-5, Sardar Patel Marg,
C-Scheme, jaipur - 302001. INDIA, Ph.: +91 141 4014044

Dr. Raj Kumar Jain +91 9414054745
Ar. Vijay Kumar Jain +91 9829010092

2 Decades of Excellence | 3600 Villas + Plots | More than 500 Apartments | 22 'Pearl' Tower | 6 Townships

If Undelievered, please return to

श्री चन्द्रशेखर जैन *(संयोजक)*
86, श्री विहार कॉलोनी होटल क्लार्क,
आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग,
जयपुर-302018 (राज.)

पत्रिका स्वामी – अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा (रजि.) के लिए मुद्रक/प्रकाशक श्री चन्द्रशेखर जैन, 86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018 ने गणेश आर्ट प्रिंटर्स, जे-51, कृष्णा मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर से मुद्रित, सम्पादक : श्री प्रकाश चन्द जैन।